दैनिक
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

साकार भारत

वर्ष : 3 अंक : 199 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, शनिवार 01 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

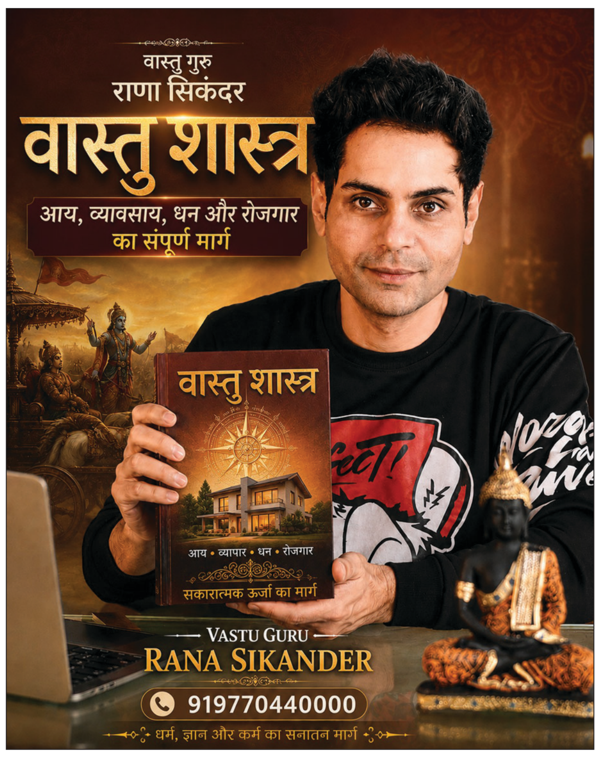

छत्तीसगढ़ के विकास और 'बस्तर विजन' पर हुई विस्तृत चर्चा

प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष मुख्यमंत्री साय ने रखा बदलते बस्तर का रोडमैप

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, बस्तर के कायाकल्प तथा राज्य की महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं औद्योगिक परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष बदलते छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर के विकास का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए राज्य की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास की समन्वित रणनीति के परिणामस्वरूप बस्तर आज व्यापक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा और विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करने वाला यह क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल, बिजली, हवाई संपर्क, आजीविका, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य इस परिवर्तन को स्थायी बनाते हुए बस्तर को विकास की मुख्यधारा से पूरी तरह जोड़ना है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजनांदगांव में प्रस्तावित लगभग 10,500 करोड़ की गैस आधारित यूरिया परियोजना को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध करा दी गई है तथा राज्य सरकार के स्तर की आवश्यक स्वीकृतियां भी पूरी की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के स्थापित होने से छत्तीसगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों के लिए उर्वरक की उपलब्धता और बेहतर होगी। इसके साथ ही प्रदेश में औद्योगिक निवेश, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार तथा सहायक आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

421 बंद स्कूल फिर खुले, ओरछा और जगरगुंडा में बनेंगी एजुकेशन सिटी

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री को बस्तर में शिक्षा के क्षेत्र में आए परिवर्तन की जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वर्षों से बंद पड़े 421 स्कूलों को पुनः प्रारंभ किया गया है। जिन गांवों में कभी बच्चों के लिए नियमित शिक्षा तक पहुंच बड़ी चुनौती थी, वहां अब स्कूलों में फिर से पढ़ाई शुरू हुई है।

उन्होंने बताया कि दंतेवाड़ा की तर्ज पर ओरछा और जगरगुंडा में नई एजुकेशन सिटी विकसित करने की दिशा में भी राज्य सरकार कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आवासीय सुविधाएं और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री साय ने स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की जानकारी देते हुए बताया कि 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' के अंतर्गत अब तक 34 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है और आवश्यकता के अनुरूप उन्हें चिकित्सा सेवाओं से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि बस्तर में चिकित्सा अधोसंरचना का लगातार विस्तार किया जा रहा है। जगदलपुर में सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के साथ गीदम में मेडिकल कॉलेज के माध्यम से क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है।

461 गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए मांगी विशेष सहायता

मुख्यमंत्री साय ने बस्तर सहित संवेदनशील क्षेत्रों के ऐसे 461 गांवों का विषय भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा, जहां पूर्व में सुरक्षा एवं भौगोलिक कारणों से विद्युत ग्रिड पहुंचाना संभव नहीं हो पाया था और वर्तमान में ऑफ-ग्रिड माध्यम से बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने इन गांवों को स्थायी विद्युत ग्रिड से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थायी विद्युत आपूर्ति से इन क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, आजीविका और लघु उद्यमों के विस्तार को गति मिलेगी तथा दूरस्थ अंचलों में विकास की प्रक्रिया और मजबूत होगी।

5,542 गांवों तक पहुंच रहा विकास, लगभग 39 लाख लोगों को लाभ

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री के समक्ष 'बस्तर विजन' की विस्तृत जानकारी रखते हुए बताया कि 'नियद नेल्ला नार 2.0' और 'बस्त मुन्ने' के माध्यम से बस्तर संभाग के 5,542 गांवों में शासन की योजनाओं और सेवाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे लगभग 39 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राशन, आयुष्मान भारत, जनधन खाते, वनाधिकार, प्रधानमंत्री आवास सहित केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दूरस्थ और पूर्व में अत्यधिक संवेदनशील रहे गांवों में प्रशासन की पहुंच बढ़ने से शासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

SHORT NEWS

संसद ने वंदे मातरम बिल को मंजूरी दी, राज्यसभा में एंटी पेपर लीक पर चर्चा

नई दिल्ली। संसद के मौजूदा सत्र में लोकसभा ने 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' को मंजूरी दी, जिसके तहत वंदे मातरम् के अपमान पर सजा हो सकती है। वहीं, राज्यसभा में 'पब्लिक एग्ज़ाम्स अमेंडमेंट बिल' पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने नीट पेपर लीक मामलों को लेकर सरकार को घेरा, जिससे सदन में खूब हंगामा हुआ। यह सत्र में विधायी कार्यों और विपक्षी विरोध का मिश्रण देखा गया। गुरुवार को लोकसभा ने विपक्ष के हंगामे के बीच 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' को ध्वनि मत से पारित कर दिया। इसके बाद, विपक्षी सदस्यों के विरोध के चलते सदन की कार्यवाही शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने राज्यसभा में पब्लिक एग्ज़ाम्स अमेंडमेंट बिल पेश किया जिसके बाद इसपर चर्चा हो रही है। हालांकि, इस दौरान हंगामा भी खूब हुआ। मनुस्मृति को लेकर खड़गे और नड्डा के बीच तीखी तरकार भी हुई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि प्रश्नपत्र लीक रोधी कानून में प्रस्तावित संशोधन इस बात का प्रमाण है कि सरकार परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के प्रति 'कतई बर्दाश्त नहीं' करने की नीति पर चल रही है।

प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

धमतरी। नवीन शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर मराठा मंगल भवन, धमतरी में जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास एवं उच्च शिक्षा मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा रहे। समारोह में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम से पूर्व प्रभारी मंत्री वर्मा ने नूतन विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल प्रकृति के संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी भी है।

शाला प्रवेशोत्सव के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। प्रभारी मंत्री ने विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया, शाला गणवेश प्रदान किए तथा सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं।

जलापूर्ति योजनाओं के दीर्घकालीन सुचारू संचालन के लिए जल संचय और जल संरक्षण जरूरी : अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव आज जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल प्रमाणित गांवों की महिला सरपंचों के लिए ग्रामीण पाइपलाइन जल आपूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में शामिल हुए। उन्होंने नवा रायपुर स्थित राजीव गांधी राष्ट्रीय भूमि जल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में आयोजित कार्यशाला में महिला सरपंचों को संबोधित करते हुए कहा कि जल आपूर्ति की योजनाओं के लंबे समय तक सुचारू संचालन के लिए बारिश के पानी का संचय और जल संरक्षण आवश्यक है। यह भूजल को रिचार्ज करने के साथ ही दीर्घ काल तक जल स्त्रोतों में जल की उपलब्धता बनाए रखेगा।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यशाला में सरपंचों से गांवों में हर घर नल से जल पहुंचने के बाद ग्रामीणों, खासकर महिलाओं के जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली। उन्होंने नल जल योजनाओं के संचालन-संधारण के लिए पंचायतों द्वारा की गई व्यवस्था के बारे में पूछा। उन्होंने गांवों में जलस्त्रोतों, जल की गुणवत्ता के नियमित परीक्षण तथा रखरखाव शुल्क की भी जानकारी ली। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा यूनिसेफ और एसीई संस्था के सहयोग से इस एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसमें करीब 100 महिला सरपंच शामिल हुईं। कार्यशाला में हर घर जल प्रमाणित गांवों में नल जल योजनाओं के संचालन, संधारण और मरम्मत पर व्यापक विचार-विमर्श और बेस्ट प्रेक्टिसेस पर गहन चर्चा की गई।

नवजात समेत 9 लोगों का सफल रेस्क्यू, उसूर प्रशासन की तत्परता से बचीं जानें

बीजापुर । जिले में लगातार तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच उसूर प्रशासन ने बड़ा राहत अभियान चलाते हुए नवजात शिशु, प्रसूता और सात पर्यटकों समेत कुल 9 लोगों का सफल रेस्क्यू किया। यह अभियान उसूर एसडीएम भूपेंद्र गावरे और तहसीलदार देवनंदन टंडन के नेतृत्व में एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीम के सहयोग से पूरा किया गया।

बारिश के चलते डल्ला, मल्लेपल्ली और लंकापल्ली क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हो गए थे। डल्ला गांव में प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला के फंसे होने की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रसव के बाद नवजात शिशु और उसकी मां मोडियम मासे को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके साथ ही मल्लेपल्ली की गर्भवती महिला ऊईका सुक्की का भी सफल रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया गया।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने किया भूमिपूजन, मरीजों को मिलेंगी निजी अस्पताल जैसी सुविधाएं

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने आज जिला चिकित्सालय दुर्ग परिसर में सर्जिकल विंग प्रथम तल (फेज-2) के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। लगभग 4 करोड़ 85 लाख 43 हजार रुपये की लागत से बनने वाले इस अत्याधुनिक सर्जिकल विंग में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने कहा कि नए सर्जिकल विंग में 7 आधुनिक पेइंग रूम बनाए जाएंगे, जहां मरीजों और उनके परिजनों को निजी अस्पताल जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। भवन में दो विशाल वेटिंग हॉल, सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग, टेलीविजन सहित अन्य आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी, जिससे

मरीजों के उपचार के साथ-साथ उनके परिजनों को भी बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जिला अस्पताल में पेइंग वार्ड की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से प्रसूता महिलाओं एवं उनके परिजनों को निजी अस्पतालों का विकल्प चुनना पड़ता था। अब डिलीवरी के बाद यदि कोई परिवार जच्चा-बच्चा को चिकित्सकों की निगरानी में सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण में रखना चाहता है, तो उन्हें अलग पेइंग रूम की सुविधा उपलब्ध होगी।

मंत्री यादव ने बताया कि लगभग 15 वर्ष पूर्व जिला अस्पताल में पेइंग वार्ड संचालित होता था, जहां शहर के अनेक परिवार अपने मरीजों एवं प्रसूताओं को भर्ती कराते थे। उस समय अलग किचन सहित कई विशेष सुविधाएं उपलब्ध थीं, लेकिन बाद में यह व्यवस्था समाप्त हो गई थी।

जनता की सेहत से कोई समझौता नहीं: मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने शुक्रवार को भटगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, उपचार व्यवस्था, स्वच्छता तथा अस्पताल संचालन की स्थिति का जायजा लिया। मंत्री राजवाड़े ने ओपीडी, वार्ड, प्रसूति कक्ष, दवा वितरण केंद्र, पेयजल व्यवस्था एवं अस्पताल परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर उपचार, दवाओं की उपलब्धता

तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में पाई गई कमियों को तत्काल दूर किया जाए तथा मरीजों को समय पर उपचार, आवश्यक दवाएं एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, दवाओं का पर्याप्त भंडारण बनाए रखने तथा चिकित्सा उपकरणों के सुचारू संचालन के निर्देश दिए।

विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की होगी सबसे बड़ी भूमिकाः वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी आज रायगढ़ के एनटीपीसी लारा में आयोजित 'कनेक्टिंग सोसायटी: एक कदम विकसित भारत की ओर' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने शासकीय माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं को साइकिल एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु पुस्तकें वितरित कीं तथा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के साथ सुनियोजित तरीके से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बड़े लक्ष्य निर्धारित करें, योजनाबद्ध तैयारी करें और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

वित्त मंत्री ने कहा कि एनटीपीसी केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के गांवों के सामाजिक और आधारभूत विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी के सीएसआर मद से प्रभावित नौ ग्राम पंचायतों में लगभग एक-एक करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों का चयन ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप किया गया है। इसके लिए उन्होंने एनटीपीसी के कार्यकारी निदेशक (ईडी) एवं पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

चौधरी ने एनटीपीसी प्रबंधन से आग्रह किया कि प्रभावित गांवों के विद्यार्थियों के लिए नियमित करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि उन्हें आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम, एनएलयू, नीलेट सहित राष्ट्रीय संस्थानों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी मिल सके। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि इस क्षेत्र का कोई विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित होता है तो उसकी पूरी पढ़ाई का खर्च सीएसआर के माध्यम से एनटीपीसी वहन करे। इस प्रस्ताव पर एनटीपीसी प्रबंधन ने सकारात्मक सहमति भी व्यक्त की।

पेपर लीक रोकथाम विधेयक - 2026 , युवाओं के सपनों की सुरक्षा और परीक्षा माफियाओं पर निर्णायक प्रहार हैं - विकास ठाकुर

खरोरा/रायपुर। भाजपा पंचायत प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के मीडिया प्रभारी विकास सिंह ठाकुर ने संसद के दोनों सदनों द्वारा पेपर लीक रोकथाम विधेयक, 2026 पारित किए जाने के फ़ैसले का स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी एवं पुर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तथा केंद्र सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं, विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने वाला एक ऐतिहासिक, साहसिक और दूरदर्शी निर्णय बताया।

ठाकुर ने कहा कि भारत का युवा वर्ग राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। जब कोई विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम, त्याग और समर्पण के साथ किसी परीक्षा की तैयारी करता है, तब पेपर लीक जैसे अपराध उसकी मेहनत, प्रतिभा और सपनों पर सीधा हमला करते हैं। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय पेपर लीक गिरोहों और नकल माफियाओं ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित करने का प्रयास किया। ऐसे तत्वों के विरुद्ध कठोर और प्रभावी कानूनी कार्रवाई की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा युवाओं की इस पीड़ा को समझते हुए परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए यह महत्वपूर्ण कानून लाया गया है। उन्होंने लोगों से इस नए विधेयक का स्वागत करने की अपील करते हुए कहा कि यह विधेयक देश की जनता विशेषकर युवा और छात्रों के हित में हैं। यह विधेयक स्पष्ट संदेश देता है कि अब देश में प्रतिभा और परिश्रम का सम्मान होगा तथा नक़ल, भ्रष्टाचार और पेपर माफियाओं के लिए कोई स्थान नहीं होगा। ग़ौरतलब हैं कि हाल ही नीट पेपर लीक के बाद उपजे विवाद के बीच केंद्र सरकार द्वारा लाए पेपर लीक रोकथाम विधेयक 2026 को संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई। इस नए कानून में पेपर लीक, नकल कराने, प्रश्नपत्र या उत्तर कुंजी लीक करने, परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी हस्तक्षेप करने तथा अन्य अनुचित साधनों का उपयोग करने वालों के विरुद्ध पहले की तुलना में कहीं अधिक कठोर प्रावधान किए गए हैं। इसमें दोषियों पर लंबी अवधि के कारावास एवं भारी आर्थिक दंड सहित संगठित गिरोह, नेटवर्क के दोषियों पर और अधिक कठोर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान किया गया हैं।

5 घंटे तक मौत से जंग... उफनती पैरी नदी से पति-पत्नी समेत तीन मासूम बच्चों को पुलिस-एसडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

गरियाबंद। पिछले 24 घंटे से जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। जिले की पैरी नदी सहित अधिकांश नदी-नाले उफान पर हैं और कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। ऐसे कठिन समय में पुलिस, एसडीआरएफ, नगर सेना और प्रशासन की टीमें लगातार लोगों की सुरक्षा में जुटी हुई हैं।

काश सोहागपुर क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पैरी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से एक गौशाला में पति-पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे फंस गए। शाम करीब 5 बजे घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार, पुलिस, एसडीआरएफ और नगर सेना की रेस्क्यू टीम तत्काल मौके पर पहुंची। तेज बहाव और लगातार हो रही बारिश के बीच राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया।

बताया जा रहा है कि पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश और सिकासार जलाशय से पानी छोड़े जाने के कारण पैरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। देखते ही देखते गौशाला चारों ओर से पानी से घिर गई और पांच सदस्यीय परिवार वहीं फंस गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल प्रशासन को सूचना दी, जिसके बाद बिना देर किए संयुक्त रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

तेज धाराओं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पुलिस, एसडीआरएफ और नगर सेना के जवानों ने रस्सियों, लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की मदद से करीब पांच घंटे तक लगातार अभियान चलाया। देर रात सभी पांचों लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। परिवार के सुरक्षित बाहर आते ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और रेस्क्यू टीम की सराहना की।

जिले में लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे उफनती नदी-नालों को पार करने का प्रयास न करें, जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें तथा मौसम विभाग और जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। प्रशासन ने कहा है कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस या नियंत्रण कक्ष को सूचना दें, ताकि समय रहते राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके।

शिक्षा सेवा का स्वर्णिम अध्याय पूर्ण प्रधान पाठक गोदावरी गोस्वामी सेवानिवृत्त

डोंगरगांव । शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नादिया की प्रधान पाठक श्रीमती गोदावरी गोस्वामी 42 वर्षों की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गईं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं संकुल केंद्र नादिया द्वारा भावभीना विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। श्रीमती गोस्वामी ने एम.ए. (हिंदी एवं समाजशास्त्र) की शिक्षा प्राप्त की। उनकी प्रारंभिक शिक्षा कन्या शाला खुज्जी, माध्यमिक शिक्षा पूर्व माध्यमिक शाला खुज्जी तथा हाईस्कूल शिक्षा बी.एस.पी. सेक्टर-6, भिलाई में हुई। वर्ष 1984 में सहायक शिक्षक के रूप में शासकीय सेवा प्रारंभ करने के बाद उन्होंने विभिन्न विद्यालयों में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 2021 से वे शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नादिया में प्रधान पाठक के पद पर कार्यरत थीं। समारोह में अतिथियों ने उनके अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनका शिक्षकीय जीवन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में श्रीमती गोस्वामी ने विद्यालय परिवार, शिक्षा विभाग, सहकर्मियों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक का दायित्व सेवा और संस्कार का होता है, जो सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज के प्रति बना रहता है।

सेजस डौंडीलोहारा में किया गया वृक्षारोपण

बालोद । पर्यावरण संरक्षण एवं अपनी माँ के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी/हिंदी माध्यम विद्यालय, डौंडीलोहारा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसएमडीसी के सदस्य गण मती सरोज पटेल जी एवं दिनेश जैन जी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने और प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर संस्था प्रमुख (प्राचार्य) श्डी. आर. देवहरे जी ने बताया कि यह अभियान न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार साबित होगा, बल्कि छात्रों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और अपनी माँ के प्रति भावनात्मक जुड़ाव को भी सुदृढ़ करेगा। कार्यक्रम का सफल आयोजन इको क्लब प्रभारी जोबीन मैथ्यू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस वृक्षारोपण अभियान में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल व सुरक्षा का संकल्प लिया

सरस्वतियों को सरस्वती सायकल वितरित

छुईखदान । कन्या शिक्षा को बढ़ावा और बेहतर शिक्षा देने के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ शासन की महती योजना है निःशुल्क सरस्वती सायकल वितरण योजना।शासन की इस दूरदर्शी योजना का उद्देश्य ही है कि दूर दराज से आकर गांव की और गरीब परिवार की बेटियां भी बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सके।अपना जीवन सुखमय बना सके और भावी पीढ़ी को गढ़ सके। यही बेटियां ज्ञानार्जन कर ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता सरस्वती का रूप होंगी।जिनके विद्यालय आवागमन के लिए शासन द्वारा निःशुल्क प्रदान किए जाते हैं। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुंदेली में कक्षा नवमीं अध्ययनरत छात्राओं को में इसी योजना के तहत सायकल वितरण किया गया।कार्यक्रम में शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के के अध्यक्ष अशोक पाल,ग्राम के सरपंच दिवाकर सोनी समिति के सदस्यउपस्थित थे।जिनके पावन कर कमलों से सभी छात्राओं को सायकल वितरित किया गया। सायकल पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सी आर श्रीवास, व्याख्याता डॉ सियाराम साहू, चंद्रेश जंघेल,प्रियंका श्रीवास्तव,रमेश मंडावी ,वर्षा साहू,तनुजा नागदेवे,रितेश वर्मा सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

चुनाव को लेकर बढ़ी सरगर्मी युवाओं ने दिखाई एकजुटता

छुईखदान । प्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में प्रदेश अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सत्येंद्र चेलक छुईखदान पहुंचे, जहां युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान आयोजित बैठक में युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गंडई नगर पंचायत अध्यक्ष टारकेश्वर शाह खुसरो ने कहा कि युवाओं को एकजुट होकर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।

देवराज किशोर दास ने कहा कि युवा शक्ति ही देश की पहचान है। स्वच्छ राजनीति और मजबूत लोकतंत्र के लिए युवाओं को आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष कोमल साहू ने कहा कि आने वाला समय युवाओं का है और देश की बागडोर भी युवाओं के हाथों में होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी लगातार युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने का कार्य कर रहे हैं, इसलिए युवाओं को भी संगठन में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

गिरिराज किशोर दास ने कहा कि युवक कांग्रेस का चुनाव संगठन की नींव को मजबूत करने वाला चुनाव है। यह केवल पद का चुनाव नहीं, बल्कि युवाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने का अवसर है। उन्होंने अधिक से अधिक नए युवाओं को संगठन से जोड़ने और मतदान करने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सज्जाक खान ने युवाओं को आगे आने का आह्वान किया और कहा कि आज कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व हमारे युवा नेता राहुल गांधी जी कर रहे हैं हमे ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ना होगा।जो आगे चलकर हमारे समाज के कर्णधार बनेंगे। अनूप वर्मा ने कहा कि सत्येंद्र चेलक एक जुझारू और सक्रिय युवा नेता हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि आगामी पांच दिनों के भीतर अधिक से अधिक युवाओं का मतदान सुनिश्चित कर उन्हें विजयी बनाएं। प्रदेश युवक कांग्रेस अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सत्येंद्र चेलक ने अपने संबोधन में कहा कि युवक कांग्रेस परिवार ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की लड़ाई वे हमेशा लड़ते रहेंगे।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी समृद्धि आजीविका संकूल संगठन की महिलाएं: सुश्री अंकिता शर्मा

छुरिया । ग्राम पंचायत कुमर्दा में समृद्धि आजीविका संकूल संगठन स्तरीय वार्षिक आमसभा का आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक सु अंकिता शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत राजनांदगांव अध्यक्ष मती किरण रविन्द्र वैष्णव ने भी साथ ही इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला भाजपा पूर्व महामंत्री रविन्द्र वैष्णव, भाजपा मंडल कुमर्दा अध्यक्ष हिरदे देवांगन, भाजपा मंडल महामंत्री कोमल सिन्हा, ग्राम पंचायत संरपंच नुनकरण भुआर्य, विजय कोसमा उप संरपंच, कांतिलाल साहू ग्राम पटेल, लक्ष्मीनारायण साहू, किसन साहू, नवीन साहू व मती टिकेश्वरी साहू अध्यक्ष संकूल संगठन, मती प्रभा नायक पूर्व अध्यक्ष संकूल संगठन, मती बिजमा विश्वकर्मा सचिव,

मती लता चन्द्रवंशी कोषाध्यक्ष,मती पूनम निषाद पूर्व कोषाध्यक्ष, मती फनेश्वरी साहू, मती अनिता साहू, मती शामकलि रुपेश्वरी,समेत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याओं, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक सु अंकिता शर्मा उपस्थित रहीं। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की महिलाएं केवल परिवार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं निर्णय लेने की शक्ति का भी विकास करते हैं।

उन्होंने महिलाओं से साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा तथा बालिका संरक्षण जैसे विषयों पर जागरूक रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि समाज की महिलाएं जागरूक और आत्मनिर्भर होंगी तो पूरा समाज सुरक्षित, सशक्त और विकसित बनेगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन की ओर से महिलाओं को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष मती किरण रविन्द्र वैष्णव ने की। उन्होंने अपने अध्यय उद्बोधन में कहा कि आजीविका मिशन ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है।

अरुणोदय करियर इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने चलाया स्वच्छता अभियान, श्रमदान से दिया स्वच्छता का संदेश

सूरजपुर। कलेक्टर रेना जमील के निर्देशानुसार तथा सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग घनश्याम कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ निधि से संचालित अरुणोदय करियर इंस्टीट्यूट, सूरजपुर में गुरुवार को विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के निदेशक सोमनाथ साहू एवं शिक्षक रोहित तिवारी के नेतृत्व में हुई। लगभग 150 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लिया। विद्यार्थियों ने हाथों में झाड़ू, तगारियां और कचरा पात्र लेकर संस्थान परिसर, आसपास की गलियों तथा मुख्य मार्ग की व्यापक सफाई की। उन्होंने सड़क किनारे फैले प्लास्टिक कचरे, पॉलिथीन, सूखे पत्तों एवं अन्य अपशिष्ट को एकत्रित कर उनके उचित निस्तारण की व्यवस्था की। पूरे अभियान के दौरान विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन और उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला।

अभियान में जिले के श्रम पदाधिकारी अभिषेक सिंह ठाकुर, नगरपालिका परिषद सूरजपुर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मनीष कुमार, संस्थान के शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

श्रम पदाधिकारी अभिषेक सिंह ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि 'स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन का आधार है। जब युवा स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान करते हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा मिलती है। शिक्षा के साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन ही वास्तविक ज्ञान की पहचान है।' उन्होंने विद्यार्थियों से सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का बहिष्कार करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के निदेशक सोमनाथ साहू ने विद्यार्थियों के समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि "देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है। यदि युवा स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहेंगे, तो एक स्वस्थ और विकसित समाज का निर्माण संभव होगा।

कृत्रिम गर्भाधान से बदली पशुपालक की तस्वीर, बढ़ा दुग्ध उत्पादन

सूरजपुर। विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम अगस्तपुर निवासी हीरालाल सोनवानी ने पशुपालन विभाग की योजनाओं एवं कृत्रिम गर्भाधान सेवा का लाभ लेकर अपने पशुपालन व्यवसाय को नई दिशा दी है। पिछले लगभग 16 वर्षों से पशुपालन से जुड़े सोनवानी आज क्षेत्र के सफल पशुपालकों में शामिल हैं।

वर्तमान में उनके पास 04 दुधारू गाय, 03 बछिया एवं 04 बछड़े हैं। उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग के कृष्णपुर उपकेंद्र से कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उन्हें उन्नत नस्ल के पशु प्राप्त हुए, जिसके परिणामस्वरूप उनके डेयरी व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्तमान में वे प्रतिदिन लगभग 35 से 40 लीटर दूध का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में भी निरंतर बढ़ोतरी हुई है।

हीरालाल सोनवानी ने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान तकनीक से बेहतर नस्ल के पशु मिलने के कारण दूध उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। उन्होंने अन्य पशुपालकों से भी विभाग की इस सुविधा का लाभ उठाकर उन्नत नस्ल के पशुओं का पालन करने की अपील की।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मादा-वत्स पालन योजना के अंतर्गत एक बछिया भी प्रदान की गई थी, जिससे उनके पशुधन में वृद्धि हुई और व्यवसाय को मजबूती मिली।

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती पर में गूंजा समरसता का संदेश

भाटापारा। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत रविदास वार्ड स्थित मंदिर परिसर में पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कोर कमेटी सदस्य शिवरतन शर्मा, नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा सहित भाजपा जिलाध्यक्ष आनन्द यादव एवं पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संत रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 650 दीप प्रज्वलित कर उनके महान विचारों और मानव कल्याण के संदेश को स्मरण किया गया पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कोर कमेटी सदस्य शिवरतन शर्मा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और समरसता के ऐसे प्रकाश पुंज हैं, जिनके विचार सदियों बाद भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि संत रविदास जी का चिंतन एक ऐसे समाज की कल्पना करता है, जहां किसी व्यक्ति के साथ जन्म, जाति या सामाजिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो और प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान एवं समान अवसर प्राप्त हो। समरसता केवल किसी एक वर्ग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संत रविदास महाराज जी का जीवन हम सभी को समानता, सद्भाव, भाईचारे और सामाजिक एकता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों से यह संदेश दिया कि समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव मानवता की भावना के विपरीत है। उनका चिंतन हमें जोड़ने का काम करता है और हमें यह सिखाता है कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता और परस्पर सम्मान में निहित है। संत रविदास महाराज जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इस अवसर पर इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आंनद यादव , संजय बंजारे ,गोवेर्धन डहरिया,उमाशंकर वर्मा योगेश अनंत , आशीष जायसवाल , डॉ मोहन बांधे, नंदू वैष्णव, कुंजराम कोशले, बंटी टंडन,मीना सोनी तनुजा धृतलहरे,लिकेश साहू,लाला साहू,माखन महिलांगे,रोशन बंजारे,जयसंत शिव अनंत सहित मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

परीक्षा माफिया, प्रश्नपत्र लीक और संगठित अनियमितताओं पर लगेगा प्रभावी अंकुश डॉक्टर किरण बघेल

धमतरी । भाजपा धमतरी जिला प्रभारी डॉ किरण बघेल ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के सपनों, उनके परिश्रम और उनके भविष्य की रक्षा के लिए निरंतर ठोस एवं प्रभावी निर्णय ले रही है। यह संशोधन उसी दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। भाजपा जिला प्रभारी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं की वर्षों की मेहनत, आशाओं और विश्वास का आधार होती हैं। प्रश्नपत्र लीक, नकल माफिया और संगठित परीक्षा अपराध जैसी गतिविधियां न केवल योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय करती हैं, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करती हैं। ऐसे अपराधों पर कठोर और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया यह संशोधन परीक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगा। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक के माध्यम से परीक्षा संबंधी अपराधों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधानों को और अधिक कठोर बनाया गया है। इससे परीक्षा माफिया, संगठित आपराधिक गिरोहों तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता में शामिल तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई का मार्ग और मजबूत होगा। साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों एवं सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी और अधिक सुनिश्चित होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और विश्वसनीय बनेगी। जिला प्रभारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हमेशा युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, रोजगार सृजन, डिजिटल पारदर्शिता तथा अब परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में यह संशोधन युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इससे प्रतिभाशाली और मेहनती युवाओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया को नई मजबूती मिलेगी।

बुचाटोला संकुल में एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण किया

छुरिया । संकुल बूचाटोला में मां के नाम एक पेड़ तहत संकुल स्तरीय पौधा रोपण किया गया। इस मौके पर एम.डी. ठाकुर उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति आयोग राज्य मंत्री छत्तीसगढ़ के करकमलो द्वारा

मां का नाम एक पेड़ रोपण किया गया। ग्राम पंचायत बूचाटोला के तत्वाधान में एम.डी.ठाकुर का सम्मान समारोह किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत के सरपंच एवं समस्त वरिष्ठ जन उपस्थित थे. शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के डी.डी. साहू एवं संकुल प्राचार्य वी.के. मेश्राम के उपस्थिति में शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला के बच्चों को शपथ दिलाया गया एवं मुख्य अतिथि के द्वारा स्कूली बच्चों को बैग्स लगाकर सम्मान किया गया इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप चंद्रिका डड़सेना भाजपा वरिष्ठ नेता , आत्माराम चंद्रवंशी वरिष्ठ भाजपा नेता,संजय सिन्हा अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया, प्रशांत ठाकुर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया एवं सरपंच एवं समस्त पंच गण एवं समस्त ग्रामवासी एवं संकुल बुचाटोला के आश्रित समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संकुल समन्वयक वीरेंद्र कुमार साहू के द्वारा किया गया।

जटाशंकर महादेव शिवधाम पर्वतः आस्था, इतिहास, संस्कृति एवं प्रकृति का अद्भुत संगम

डोंगरगढ़ । छत्तीसगढ़ के राजनादगांव जिले के स्थति माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर के दक्षिण-पश्चिम दिशा में एक विशाल पर्वत किंतु अत्यंत रमणीय पहाड़ी पर विराजमान जटाशंकर महादेव का पावन शिव पर्वत डोंगरगढ़ की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का एक अनमोल प्रतीक है। इस पहाड़ी की प्राकृतिक आकृति स्वयं शिवलिंग के समान प्रतीत होती है, जो इसे आध्यात्मिक दृष्टि से और भी विशिष्ट बनाती है। स्थानीय जनश्रुतियों एवं प्राचीन मान्यताओं के अनुसार यह क्षेत्र आदिकाल से भगवान शंभू महादेव के उपासकों की साधना एवं आराधना का प्रमुख केंद्र रहा है।

मान्यता है कि प्राचीन काल में भगवान शंभू महादेव के अनुयायी इस स्थान पर एकत्र होकर उनके द्वारा बताए गए त्रिशूल मार्ग के ज्ञान का श्रवण करते थे। यह मार्ग मानव जीवन को कल्याण, आत्मज्ञान, योगसिद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की दिशा प्रदान करने वाला माना जाता था। इसी कारण यह स्थल सदियों से श्रद्धा, तप, साधना और लोकआस्था का केंद्र बना हुआ है।

पहाड़ी के शिखर पर लगभग पाँच हजार श्रद्धालुओं के एक साथ बैठने योग्य विशाल प्राकृतिक मैदान स्थित है। मंदिर परिसर के चारों ओर फैली प्राकृतिक छटा, शांत वातावरण और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रत्येक आगंतुक को दिव्यता का अनुभव कराती है। ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रकृति ने स्वयं इस स्थान को भगवान शिव की तपोभूमि के रूप में सहेजकर रखा हो।

महतारी वंदन वृक्षारोपण अभियान में बिरेतरा के पूर्व सरपंच ने दिखाई भागीदारी

बालोद। गुण्डरदेही जिले में चल रहे महतारी वंदन वृक्षारोपण अभियान के तहत ग्राम पंचायत बिरेतरा में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल देखने को मिली। अभियान के अंतर्गत पूर्व सरपंच योगेश देशमुख ने एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण किया।यह अभियान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के जल शक्ति अभियान कैच द रेन तथा एक पेड़ माँ के नामपहल के अंतर्गत चलाया जा रहा है। जिला कलेक्टर दिव्या मिश्रा की अपील पर ग्राम पंचायत बिरेतरा में भी महिलाओं सहित आमजनों को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।पूर्व सरपंच योगेश देशमुख ने पौधा लगाते है हुए कहा कि माँ के सम्मान में एक पौधा लगाना न सिर्फ पर्यावरण के लिए जरूरी है, बल्कि आने वाली पीढ़ी को हरित और सुरक्षित भविष्य देने का संकल्प भी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने घर, बाड़ी, खेत या सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाकर उसकी देखभाल करें।उल्लेखनीय है कि बिरेतरा ग्राम पंचायत की वर्तमान सरपंच तारिणी योगेश देशमुख के नेतृत्व में 30 जुलाई 2026 को महतारी वंदन वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया था। इस अभियान में महिलाओं को अपनी माँ के नाम पर पौधा लगाने और त्क्र कोड के माध्यम से फोटो अपलोड कर प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

शैक्षणिक व्यवस्था व छात्रावास का कलेक्टर ने लिया जायजा

सूरजपुर । कलेक्टर रेना जमील ने आज ग्राम पंचायत बसदेई स्थित पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया तथा अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता की जानकारी ली।

कलेक्टर ने एक छात्रा से अंग्रेजी की पुस्तक का पाठ करने और उसका हिंदी में अनुवाद बताने को कहा। छात्रा ने आत्मविश्वास के साथ पुस्तक का पाठ करते हुए उसका सहज अनुवाद प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर ने उसकी सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य से शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की प्रगति एवं शिक्षण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न राज्यों से अध्ययन हेतु आए विद्यार्थियों से भी आत्मीय चर्चा की और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य को विद्यालय परिसर में जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थी अपनी समस्या सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकें। इस अवसर पर कलेक्टर ने असम की एक छात्रा से उसकी मातृभाषा में गीत प्रस्तुत करने कहा। छात्रा द्वारा मधुर गीत की प्रस्तुति पर उन्होंने उसकी प्रतिभा की सराहना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी अपनी सांस्कृतिक पहचान एवं प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

एसडीओपी सतीश भार्गव ने संभाला खरसिया का प्रभार, पत्रकारों ने दी बधाई

खरसिया । नवपदस्थ एसडीओपी सतीश भार्गव ने खरसिया अनुविभाग का प्रभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर क्षेत्र के पत्रकारों कैलाश शर्मा, जगदीश मित्तल, विद्या चौहान, किशोर चौहान ने उनसे सौजन्य मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं और कानून-व्यवस्था के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। ?डीएसपी सतीश भार्गव इससे पूर्व 2021 में प्रशिक्षु डीएसपी के रूप में खरसिया में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके बाद 2021 से 2026 तक, लगातार 5 वर्षों तक वे घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र कोंडागांव में तैनात रहे। बस्तर से नक्सलवाद के पूर्ण सफाए के अभियान में उनकी सराहनीय भूमिका रही। पुलिस सेवा में आने से पूर्व वे एक वर्ष तक रेलवे में लोको पायलट के रूप में भी कार्यरत रहे हैं। ?पत्रकारों से बातचीत के दौरान

एसडीओपी भार्गव ने क्षेत्र की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और बस्तर के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों और पत्रकारों के सहयोग से खरसिया क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूर्ण पारदर्शिता और ईमानदारी से कर्तव्यों का पालन उनकी प्राथमिकता रहेगी। क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए एसडीओपी भार्गव ने दोटूक कहा कि खरसिया में अपराध और असामाजिक तत्वों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा आम नागरिकों और जागरूक मीडिया के सहयोग से खरसिया में शांति व्यवस्था कायम रखी जाएगी। ?इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार कैलाश शर्मा, जगदीश मित्तल, विद्या चौहान, किशोर चौहान सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने एसडीओपी भार्गव के 5 वर्षों के नक्सलवाद क्षेत्र में तैनाती के पिछले अनुभव और खरसिया से उनके पुराने जुड़ाव को देखते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र में कानून का राज और अधिक सुदृढ़ होगा।

स्कूलों में यातायात सुरक्षा का पाठ, 1200 से अधिक छात्र-छात्राएं हुए जागरूक

बलौदाबाजार । जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस का विशेष अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन एवं उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) संजय कुमार साहू के मार्गदर्शन में गुरुवार को ग्राम दतरेंगी, नवागांव तथा गुरुकुल स्कूल, बलौदाबाजार में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के मूल नियमों की जानकारी देते हुए नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने, दोपहिया वाहन पर हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की समझाइश दी गई। साथ ही यातायात संकेतों का पालन, ट्रिपल राइडिंग से बचने,

स्टंटबाजी नहीं करने और बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन नहीं चलाने की सलाह दी गई। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर ई-चालान के साथ शहर में लगे सिटी सर्विलांस कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। यातायात पुलिस ने नशामुक्त जीवन का संदेश देते हुए विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों से भी अवगत कराया। इसके अलावा केंद्र एवं राज्य शासन की सड़क दुर्घटना से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि पीएम राहत योजना के तहत गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है। वहीं राहवीर योजना के अंतर्गत दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि एवं सम्मान पत्र प्रदान किया जाता है।

भाटापारा स्टेशन पर बिना काम आने वालों पर आरपीएफ सख्त, जुलाई में 397 लोगों पर कार्रवाई

भाटापारा । 01 जून से लागू रेल्वे के नये नियम जनविश्वास के अब स्टेशन परिसर मे जो लोग मार्निंग वाक ,इवनिंग वाक करते थे या फिर वहां बैठकर अपना समय व्यतीत करते थे ऐसे लोग के खिलाफ आरपीएफ पोस्ट ने कार्यवाही शुरू कर दी है इस संबंध मे आरपीएफ पोस्ट प्रभारी एस.के.शुक्ला ने बताया कि पटरीपार करने वाले,स्टेशन परिसर मे घूमने वाले ,स्टेशन परिसर मे गाडी खडी करने वाले ,रेल्वे परिसर मे ध्रूमपान करने वालो,महिला बोगी मे सफर करने वालो के खिलाफ जुलाई माह की 29 तारीख तक 397 केस बनाये गये है शुक्ला ने यह भी बताया कि बिना काम के जो लोग स्टेशन पहुंचते है ऐसे लोगो के खिलाफ रेल्वे के उच्चाधिकारियों के द्वारा स्पष्ट निर्देश है कि रेल्वे के नियमो का पालन नही करने वालो पर

कार्यवाही हो वहीं पटरीपार करने वालो को सख्त हिदायत दी है कि वे सीढियां ,लिफ्ट ,से आना जाना करे क्योंकि ट्रैक पर थ्रू गाडियां हमेशा आते जाते रहती है जिनकी स्पीड 100कि.मी.से अधिक होती है इसलिए सावधानी बहुत जरूरी है । भाटापारा रेल्वे स्टेशन जो कि रायपुर मंडल कख तीसरा सबसे बडा स्टेशन है और यहां पर रोजाना 7 हजार से अधिक लोगो की आवाजाही होती है इसके अलावा छोडने जाने वाले जो कि अलग है वहीं सर्वाधिक भीड मेमू लोकल ट्रेन एवं एक्सप्रेस गाडियों मे सुबह से लेकर रात तक आवाजाही जारी रहता है ,भाटापारा आरपीएफ का क्षेत्र जो कि मांढर से लेकर दाधापारा तक 110 कि.मी. है और इनके बीच पडने वाले सभी स्टेशनो की सघन जांच पडताल की जाती है ,दूसरी ओर पूरे स्टेशन परिसर के अलावा स्टेशन के मातादेवालय की तरफ और शहर थाना की तरफ करीब 3 दर्जन से अधिक कैमरे लगे है जिससे कि आरपीएफ पोस्ट से कंट्रोल रूम से निगरानी की जाती है और रेल विभाग को कैमरा बढाये जाने का प्रस्ताव भेजा गया है।

जिले में अब तक 269.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

अम्बिकापुर । भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि जिले के सभी तहसीलों में 24 घण्टे के दौरान 1.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक 8.7 मि.मी. वर्षा तहसील मैनपाट में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में 1 जून से अब तक 269.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि 01 जून 2026 से 30 जुलाई 2026 तक अंबिकापुर में 347.4, दरिमा में 170.8, लुण्ड्रा में 160.1, सीतापुर में 220.4, लखनपुर में 353.0, उदयपुर में 335.5, बतौली में 230.4 एवं मैनपाट में 334.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

बालोद जिले के युवा यशवंत कुमार टंडन को मिला हिंदुस्तान यूथ आइकॉन अवार्ड

बालोद । उत्तर प्रदेश स्थित यूथ एवरेस्ट फाउंडेशन के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर मां शाकंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर में आयोजित सम्मान समारोह में बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखंड अंतर्गत ग्राम डुड़िया (अर्जुन्दा) निवासी युवा समाजसेवी यशवंत कुमार टंडन को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान, युवा सशक्तिकरण एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रतिष्ठित हिंदुस्तान यूथ आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि मां शाकंभरी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. विमला वाई.जी. ने यशवंत कुमार टंडन को सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी (माई भारत) सहारनपुर कुश कुमार भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. विमला वाई.जी. ने कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं, जबकि जिला युवा अधिकारी कुश कुमार ने यूथ एवरेस्ट फाउंडेशन की सामाजिक विकास में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की। संस्था के संस्थापक अनीश कुमार ने कहा कि यह सम्मान देशभर के समर्पित एवं सेवाभावी युवाओं के कार्यों का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। कार्यक्रम में अनिल भारद्वाज, आचार्य अटल, अक्षय त्यागी एवं डॉ. रुचि शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह में देश के 15 राज्यों के युवा समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इनमें बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के युवा शामिल रहे। यशवंत कुमार टंडन को युवाओं को समाज सेवा, स्वयंसेवा, नेतृत्व विकास एवं जनहित के अभियानों से जोड़ने तथा विभिन्न सामाजिक एवं युवा विकास कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद यशवंत कुमार टंडन ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि उन सभी साथियों, स्वयंसेवकों और सहयोगियों का है जो निरंतर समाजहित में उनके साथ कार्य कर रहे हैं।

सुनिश्चित करें कि भोजन का समय हमारा वजन कम करे, याददाश्त नहीं

कुछ महीने पहले ओवरवेट और मोटापे से जूझ रहे बहुत सारे लोगों को रोजाना खाने में 500 कैलोरी कम लेने के लिए कहा गया। इनमें से आधे लोगों के लिए खाने का समय नौ घंटे की समय-सीमा में सीमित कर दिया गया।

छह महीने बाद सभी का वजन करीब एक स्टोन-साइज कम हो गया, लेकिन जिन्होंने 9 घंटे की समय-सीमा में खाया और शाम 6 बजे तक डिनर कर लिया, उन्होंने मेमोरी और लर्निंग टेस्ट में कम गलतियां कीं।

इसी सप्ताह अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित रटगर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की यह नई खोज उन लोगों के लिए चेतावनी है, जिनके लिए देर शाम सोफे पर बैठने का मतलब ही बिस्कुट और स्नैक्स खाना है। इंटरमिटेंट फास्टिंग नई बात नहीं है। यह चलन बन चुका है।

लेकिन यह रिसर्च कहती है कि जो लोग ओएमएडी (दिन में एक बार भोजन) या 12 घंटे की फास्टिंग करते हैं, उनकी कमर का घेरा तो तेजी से घट सकता है, लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि सोने से पहले के चार घंटों में कुछ भी न खाएं, ताकि उनकी याददाश्त पर असर न पड़े। आप सोच रहे हैं कि ऐसा कैसे? तो यहां रिसचर्स की व्याख्या पेश है।

जब हम खाना खाते हैं तो क्या होता है? तीन बार भोजन और नियमित स्नैक्स खाते रहने पर हमारा शरीर फूड बर्न करके ऊर्जा बनाता रहता है। खाने से ब्रेक का मतलब है कि हम आराम और ऊतकों को रिपेयर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को 'ऑटोफैजी' कहते हैं।

इस दौरान इंसुलिन और ब्लड शुगर लेवल कम होता है। शरीर न केवल जमा फैट का ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल शुरू कर देता है, बल्कि कोशिकाओं के खराब प्रोटीन को हटाता है और इनएफिशियंट माइटोकॉन्ड्रिया को साफ करता है, जो कोशिकाओं के लिए ऊर्जा बनाते हैं।

यह हमारे दिमाग के लिए अच्छा क्यों है? दिमाग की कोशिकाओं में भी माइटोकॉन्ड्रिया होते हैं और वे ऊर्जा के लिए ग्लूकोज पर निर्भर रहते हैं। फास्टिंग से कोशिकाओं में अनुकूलन प्रक्रिया शुरू होती है, जो उन्हें अधिक एफिशियंट बनाती है।

रिसर्चर्स का कहना है कि उम्र बढ़ने के साथ माइटोकॉन्ड्रिया कम एफिशियंट होने लगते हैं और फास्टिंग उनकी रिपेयरिंग का एक तरीका है। फास्टिंग से पुराने जमा पदार्थों की खपत होती है और नए निर्माण की जगह बनती है। इसलिए शाम को जल्दी खाना खाने से दो काम होते हैं- वेट लॉस और डिमेंशिया से दिमाग का बचाव।

लेकिन जल्दी खाने और नींद का आपस में क्या संबंध है? ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित 41 से ज्यादा अध्ययनों में पाया गया कि जिन लोगों ने शाम 5 बजे से पहले आखिरी भोजन किया, उनका वजन ज्यादा घटा।

उनका ब्लड शुगर कंट्रोल भी उन लोगों से बेहतर रहा, जिन्होंने शाम 7 बजे के बाद खाना खाया। रिसर्चर्स का मानना है कि भोजन का समय हमारी सर्केडियन रिदम पर असर डाल सकता है, जो हमारे बॉडी टेम्परेचर, नींद और हार्मोन स्तर को नियंत्रित करती है।

सोने के ठीक पहले खाने से हमारा शरीर उसे पचाने और क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की रिपेयरिंग के दो कामों में एक साथ संघर्ष करता है। दोनों में संतुलन बनाने के लिए तनाव हार्मोन्स निकलते हैं। रिसर्चर्स की सलाह है कि स्टार्ची और भारी भोजन दिन में खा लेना चाहिए, ताकि सोने से पहले शरीर उन्हें बर्न कर सके।

इससे मुझे एक पुरानी कहावत याद आती है कि नाश्ता राजा की तरह, लंच राजकुमार की तरह और डिनर दरिद्र की तरह खाना चाहिए। 'न्यूट्रिशन जर्नल', 'सेल मेटाबोलिज्म', 'ब्रिटिश मेडिकल जर्नल' समेत कई रिसर्च पेपर्स, जिनमें रिसर्चर्स खाने के कई फॉर्मेट पेश करते हैं, को पढ़ने के बाद मुझे लगता है कि ये रिसर्चर्स अपनी अलग-अलग थ्योरीज में वही बता रहे हैं, जिसका पालन हमारे पूर्वज मजबूती से करते आए।

फंडा यह है कि चूंकि हम इंसान डाइअर्नल जीव हैं, यानी हम दिन में खाने और रात में आराम करने के लिए बने हैं, इसलिए हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि सूर्यास्त से पहले भोजन कर लें, ताकि सोते समय हमारा शरीर और दिमाग खुद को रिपेयर कर सकें।

बहुत सारे फैसले ऐसे हैं, जिनके लिए विशेषज्ञ की राय जरूरी है

भारत सरकार में मुख्य आर्थिक सलाहकार और विश्व बैंक में चीफ इकोनॉमिस्ट के रूप में वर्षों तक काम करते हुए मुझे यह समझ में आया कि अर्थशास्त्र कितना विचित्र विषय है। अर्थशास्त्र का औपचारिक प्रशिक्षण न रखने वाले नेता भी कभी-कभी ऐसे नीतिगत निर्णय ले लेते हैं, जो पेशेवर विशेषज्ञों के निर्णयों जितने ही उचित होते हैं। लेकिन इसके कुछ आयाम ऐसे भी हैं, जो इंजीनियरिंग जितने सटीक होते हैं।

इन क्षेत्रों में यदि बिना विशेषज्ञों की सहायता के नीतिगत निर्णय लें, तो यह वैसा ही होता है, जैसे किसी अकाउंटेंट से किसी पुल का डिजाइन तैयार करने को कहा जाए। कई गंभीर भूलें तब होती हैं, जब राजनीतिक नेतृत्व ऐसे क्षेत्रों में कदम रखता है, जहां विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। नोटबंदी इसका उल्लेखनीय उदाहरण था।

टैरिफों को बार्गेनिंग के उपकरण के रूप में उपयोग करने की ट्रम्प की शैली इसका एक और उदाहरण है। यदि टैरिफ कम हों, तो कंपनियां क्रॉस-बॉर्डर ट्रेड पर आधारित बिजनेस में निवेश करेंगी। यदि टैरिफ अधिक हों, तो वे घरेलू उत्पादन में निवेश करेंगी।

लेकिन जब टैरिफों की बार-बार घोषणा की जाए, उन्हें स्थगित किया जाए, उन पर दोबारा बातचीत की जाए, उनमें छूट दी जाए और दूसरे देशों से रियायतें हासिल करने या उन्हें दंडित करने के राजनीतिक हथियार के रूप में उन्हें आगे बढ़ाया जाए, तो कंपनियां दोनों में से किसी भी क्षेत्र में निवेश करने से हिचकने लगती हैं। इस नीतिगत अनिश्चितता की कीमत अमेरिका ने अधिक महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि के रूप में चुकाई है।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के तहत भारत सरकार में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने नीलामी-प्रक्रिया के महत्व को भी देखा। 2010 में, सरकार 3जी स्पेक्ट्रम के लाइसेंस बेचने की तैयारी कर रही थी, जिसके बारे में अधिकारियों का अनुमान था कि इससे 7 अरब डॉलर मिलेंगे।

मैंने सिफारिश की कि पारम्परिक प्रशासनिक प्रक्रिया पर निर्भर रहने के बजाय सरकार एक पेशेवर रूप से डिजाइन की गई नीलामी को लाइसेंसों का बाजार-मूल्य तय करने दे। मनमोहन सिंह स्वयं एक प्रशिक्षण-प्राप्त अर्थशास्त्री थे, वे इस बात से सहमत हो गए।

नीलामी से अंततः लगभग 15 अरब डॉलर जुटाए गए। यदि स्पेक्ट्रम को पारम्परिक प्रक्रिया के जरिए आवंटित किया गया होता, तो सरकार लगभग 8 अरब डॉलर गंवा देती और यह पैसा निजी फर्मों के पास चला जाता।

भ्रष्टाचार-रोधी नीति भी ऐसा क्षेत्र है, जहां आर्थिक विशेषज्ञता अपरिहार्य है। भ्रष्टाचार लंबे समय से भारत के लिए भी एक गंभीर समस्या रहा है। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के आरोप यह दर्शाते हैं कि देश की सबसे प्रतिष्ठित संस्थाएं भी इससे अछूती नहीं हैं।

स्वाभाविक है कि भारतीय चाहते हैं कि भ्रष्ट अधिकारियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए, लेकिन भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए केवल नैतिक उपदेश या कठोर दंड पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रोत्साहनों, बाजारों और संस्थागत ढांचे की समझ भी जरूरी है।

1950 के दशक की शुरुआत में ताइवान का अनुभव इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। अन्य देशों के व्यापारियों की तरह ताइवान के कारोबारी भी कर चोरी के लिए अकसर अपनी बिक्री का पूरा रिकॉर्ड दर्ज नहीं करते थे। इससे निपटने के लिए ताइवान ने 1951 में यूनिफॉर्म इनवॉइस लॉटरी शुरू की।

चिंग राजवंश के समय से प्रचलित आधिकारिक रिकॉर्ड की परम्परा से प्रेरणा लेते हुए प्रत्येक आधिकारिक ग्राहक-रसीद को नियमित नकद पुरस्कार वाली लॉटरी का टिकट बना दिया गया। इस व्यवस्था ने लाखों लोगों को रसीद मांगने का व्यक्तिगत प्रोत्साहन दिया, जिससे वे कर-प्रवर्तन की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बन गए।

इसके परिणाम उल्लेखनीय रहे। कारोबारी केवल रसीद जारी न करके कर चोरी नहीं कर सकते थे, क्योंकि अब ग्राहकों के पास रसीद लेने का मजबूत प्रोत्साहन था। एक वर्ष के भीतर ही ताइवान में कर राजस्व 75% बढ़ गया।

जैसे-जैसे राजनीति उन क्षेत्रों में हस्तक्षेप करने लगी है, जहां तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है, वैसे-वैसे आर्थिक भूलों का जोखिम भी बढ़ता गया है। यदि अतीत की भूलों से कोई सीख मिलती है, तो वो यह है कि राजनीतिक इंस्टिंक्ट्स कठोर आर्थिक विश्लेषण का विकल्प नहीं हो सकतीं।

सत्ता और जवाबदेही एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते

2014 के लोकसभा चुनाव में नीतीश कुमार की जदयू को 40 में से 2 सीटें मिली थीं। जब उन्होंने इस पराजय की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का फैसला किया, उस समय मैं उनके साथ था।

यह खबर फैलते ही पार्टी के नेता और विधायक उनके आवास पर पहुंच गए और उनसे निर्णय वापस लेने का आग्रह करने लगे। विधानसभा में जदयू के पास तब भी स्पष्ट बहुमत था और इस्तीफा देने की कोई संवैधानिक या राजनीतिक मजबूरी नहीं थी। लेकिन नीतीश अपने फैसले पर अडिग रहे। इसके बाद जीतन राम मांझी अप्रत्याशित रूप से मुख्यमंत्री बने।

हमारे लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जब नेताओं ने माना कि सत्ता और जवाबदेही एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते, इसलिए पद छोड़ना ही उचित है। इसका सबसे चर्चित उदाहरण लाल बहादुर शास्त्री हैं।

1956 में महबूबनगर रेल दुर्घटना के बाद उन्होंने रेलमंत्री के पद से इस्तीफे की पेशकश की थी, लेकिन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें ऐसा न करने के लिए राजी कर लिया। लेकिन उसी वर्ष बाद में अरियालुर रेल दुर्घटना के बाद शास्त्री ने इस्तीफा दे दिया।

दुर्घटना के लिए वे व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं थे, फिर भी उनका मानना था कि मंत्रालय के प्रमुख होने के नाते इस विफलता की नैतिक जिम्मेदारी उन्हें ही लेनी चाहिए। उनका त्यागपत्र राजनीतिक शुचिता के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरणों में गिना जाता है।

1958 में एलआईसी से जुड़े मुंद्रा कांड के बाद टी.टी. कृष्णमाचारी ने वित्त मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। प्रश्न यह नहीं था कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कोई अनुचित लाभ उठाया था। असली सवाल यह था कि क्या कोई मंत्री अपने मंत्रालय के कामकाज की जिम्मेदारी से स्वयं को अलग कर सकता है?

1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद वी.के. कृष्ण मेनन ने रक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। एक बार फिर, यह इस स्वीकारोक्ति का प्रतीक था कि किसी महत्वपूर्ण मंत्रालय के शीर्ष पर बैठा व्यक्ति संस्थागत विफलता के परिणामों से अनिश्चित काल तक स्वयं को अलग नहीं रख सकता।

1992 में एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद माधवराव सिंधिया ने नागरिक उड्डयन मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जबकि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई थी। 1999 में गैसल रेल दुर्घटना के बाद नीतीश कुमार ने रेल मंत्री पद छोड़ दिया था।

इसी प्रकार, 2000 में पंजाब में हुई हावड़ा-अमृतसर मेल दुर्घटना के बाद ममता बनर्जी ने भी इस्तीफा दे दिया था। हालांकि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। 26/11 के बाद गृह मंत्री शिवराज पाटिल और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख ने भी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने-अपने पद छोड़ दिए थे।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में पद जितना ऊंचा होता है, उसके साथ जुड़ी जवाबदेही भी उतनी ही अधिक होती है। निस्संदेह, प्रधानमंत्री को संवैधानिक रूप से यह अधिकार है कि वे अपने मंत्रिमंडल में किसे रखना चाहते हैं, इसका निर्णय स्वयं करें।

किसी मंत्री का इस्तीफा ऐसा हथियार नहीं बनना चाहिए, जिसे विपक्ष हर प्रशासनिक विफलता के बाद लहराए। न ही केवल इसलिए किसी मंत्री की बलि दी जानी चाहिए कि किसी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी ने उसकी मांग की है। यदि हर आरोप स्वतः ही पद से हटाने का आधार बन जाए, तो सरकार चलाना ही सम्भव नहीं रह जाएगा।

इसका दूसरा पहलू भी उतना ही चिंताजनक है- यह धारणा कि जब तक कोई अदालत, जांच एजेंसी या संसदीय समिति किसी मंत्री की व्यक्तिगत जवाबदेही स्थापित न कर दे, तब तक उसे पद पर बने रहना चाहिए। इससे मंत्रिस्तरीय जवाबदेही केवल एक सैद्धांतिक अवधारणा बनकर रह जाती है।

लोकतंत्र इससे कहीं अधिक की अपेक्षा करता है। मंत्री कोई नौकरशाह नहीं होता। नौकरशाह प्रशासन चलाते हैं; मंत्री नेतृत्व करते हैं और राजनीतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं। यदि कोई व्यवस्था विफल हो जाए, तो केवल कुछ अधिकारियों को निलंबित कर देना और जांच समिति गठित करने की घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं है। मंत्री को स्वयं से भी पूछना चाहिए कि क्या उसके पद पर रहने से व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास मजबूत होगा या कमजोर पड़ेगा।

धर्मेंद्र प्रधान ने नीट पेपर-लीक मामले में अंततः इस्तीफा देकर सही कदम उठाया है। लेकिन उन्होंने इतनी देर क्यों की? अपनी और सरकार, दोनों की छवि के लिए उन्हें यह फैसला बहुत पहले कर लेना चाहिए था। सार्वजनिक पद जवाबदेही से बचने की ढाल नहीं होते; बल्कि जवाबदेही का अस्तित्व ही सार्वजनिक पदों के कारण है। मंत्री नौकरशाह नहीं होता। नौकरशाह प्रशासन चलाते हैं; मंत्री नेतृत्व करते हैं और राजनीतिक जिम्मेदारी स्वीकारते हैं। व्यवस्था विफल हो, तो कुछ अधिकारियों को निलंबित करना और जांच समिति गठित करना काफी नहीं होता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कोई उनके लिए कुछ करता है तो युवा होते हैं प्रभावित

देश में करोड़ों युवा हैं, हर चुनाव में वह किसी दल को,किसी दल के नेता से प्रभावित होकर वोट देते हैं।उनके वोट से भी चुनाव में हार जीत होती है। जिस राजनीतिक दल व नेता से वह ज्यादा प्रभावित होते हैं, उसका ज्यादा वोट देते हैं।इसलिए जब भी मौका मिलता है तो देश के बड़े व प्रमुख राजनीतिक दल युवाओं के प्रभावित करने का प्रयास करते हैं।नीट पेपर लीक मामले में सीजेपी ने उनके लिए एक महीने से ज्यादा आंदोलन किया।सोनम वांगचुक ने उनके लिए 20दिन से ज्यादा अनशन किया। इससे देश के युवा सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके व सोनम वांगचुक प्रभावित हुए कि उन्होंने उनके लिए आंदोलन किया,अनशन किया।शिक्षामंत्री को पेपर लीक के लिए जिम्मेदार बताते हुए इस्तीफे की मांग की और सरकार को शिक्षामंत्री की इस्तीफा लेना पड़ा। देश के युवा उनसे प्रभावित हुए और जंतर मंतर पर उनका समर्थन किया। यह दोनों तो चुनाव नहीं लड़ते हैं,मगर देश के दूसरे राजनीतिक दल कांग्रेस आदि तो चुनाव लड़ते हैं,इसलिए उनके नेता भी युवाओं को यह बताने व जताने का प्रयास कर रहे हैं कि देखों हम भी तुम्हारे लिए संसद के भीतर व बाहर सरकार से लड़ रहे है।हमको तुम्हारी चिंता है।

विपक्ष के नेताओं मे? राहुल गांधी जब से बांग्लादेश,नेपाल,श्रीलंका में जेनजी ने आंदोलन कर सरकार का तख्ता पलटने जैसा काम किया है।वह चाहते हैं कि यहां के जेनजी भी वैसा ही कुछ सड़क पर आकर करें।वह जेनजी से कई बार आव्हान कर चुके हैं। उनके कहने व चाहने से देश के जेनजी ने वैसा तो कुछ नहीं किया है।उनके पास मौका था जंतर मंतर जाकर जेनजी के आंदोलन का समर्थन करने का लेकिन वह यह मौका चूक गए और नीट पेपर लीक मामले में अलग से आंदोलन करते रहे, पीएम आवास के समक्ष धरना दिया।जंतर मंतर में जेनजी का आंदोलन तो शिक्षामंत्री के इस्तीफे के बाद समाप्त हो गया।इसका श्रेय अभिजीत व वांगचुक को मिला,ऐसे में राहुल गांधी के पास यह बताने को कुछ नहीं था कि उनके आंदोलन से जेनजी को क्या फायदा हुआ। ऐसे में राहुल गांधी के लिए यह बताना जरूरी हो गया था कि देखों तुम्हारे लिए मैं संसद के भीतर लड़ रहा हूं। लड़ने के लिए कोई मुद्दा चाहिए तो उन्होंने पुलिस की कार्रवाई को ही मुद्दा बना लिया और इसके लिए गृहमंत्री अमित शाह को दोषी बताने का प्रयास किया। यानी पुलिस ने छात्रों के साथ जो कुछ भी बुरा किया वह अमित शाह के कहने पर किया इसलिए अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए।

यहीं राहुल गांधी की सबसे बड़ी गलती कर गए।अभिजीत दीपके भी चाहते तो शिक्षामंत्री के साथ शाह व मोदी के इस्तीफे की मांग कर सकते थे लेकिन वह आंदोलन को सफल बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग की यह मांग पूरी की जा सकती थी इसलिए पूरी कर दी गई।राहुल गांधी मान बैठे कि जब अभिजीत की मांग पर शिक्षामंत्री का इस्तीफा हो सकता है तो मैं तो नेता प्रतिपक्ष हूं मेरी मांग पर अमित शाह का इस्तीफा क्यों नहीं हो सकता। राहुल गांधी हमेशा इतनी बडी़ मांग करते हैं कि जो पूरी नहीं हो पाती है और वह असफल नेता हर बार साबित होते हैं।संसद में बोलते वक्त भी वह कहना कुछ होता है और कह कुछ और जाते हैं और उनके ही सब किए कराए पर पानी फिर जाता है। संसद में बोलते वक्त उनके मुंह से निकल गया कि गृहमंत्री शाह ने पुलिस को छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। सत्ता पक्ष को बोलने का मौका मिला और उन्होंने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति की और राहुल गांधी से गोली चलने का सबूत देने या माफी मांगने को कहा।सत्ता पक्ष की ओर से कहा गया कि आंदोलनकारियों पर न तो गोली चली है और न ही पैलेट गन चली है। राहुल गांधी सरासर झूठा आरोप लगा रहे हैं।राहुल गांधी हर बार संसद में कुछ न कुछ ऐसा कह जाते हैं कि उनको ही नुकसान होता है।

वह बीस साल से सांसद है,उनको संसद के सब कायदे कानून मालूम है लेकिन वह हर बार कायदे कानून के परे जाकर कुछ न कुछ ऐसा कह देते हैं कि कायदे कानून के अनुसार वह गलत होता है। इस बार भी सत्ता पक्ष के लोगों ने उनको गलत ठहराया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कहना पड़ा कि आप ने गलत किया है।संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताई कि बिना किसी आधार के किसी पर आरोप लगाना गलत है।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सदन में गृहमंत्री पर चर्चा नहीं हो रही है।राहुल गांधी को गृहमंत्री पर कोई आरोप नहीं लगाना चाहिए। वह आरोप लगा रहे हैं तो इसका सबूत दें।इसके बाद राहुल गांधी ने फिर गलती की और ऐसा कुछ कह दिया कि उसे असंसदीय माना गया और संसद में बवाल हो गया। संसद में राहुल गांधी ने एक लड़की का हवाला देते हुए कहा था कि तीन वर्ग होते हैं,एक छात्र,दूसरा इडियट और तीसरा अंधभक्त।अंधभक्त दूसरे वर्ग के लोगों को भगवान मान लेते हैं। बाद में असंसदीय शब्द को संसद की कार्रवाई से हटाने का आदेश दे दिया गया।

प्रकृति को जीवित विरासत मानने की जरूरत

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

राजस्थान का केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान केवल एक अभयारण्य नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव के संतुलित सह-अस्तित्व की जीवंत मिसाल है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल यह आर्द्रभूमि कभी हजारों प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गूंजती थी। साइबेरिया से लेकर मध्य एशिया तक के दुर्लभ पक्षी हर वर्ष यहां जीवन का उत्सव मनाने आते हैं, लेकिन आज वही घना अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। जिन जलाशयों में कभी पक्षियों का कलरव सुनाई देता था, वहां अब कीचड़, मृत मछलियां और कछुए दिखाई दे रहे हैं। यह दृश्य हमारी पर्यावरणीय सोच की विफलता का आईना है।

घना की सबसे बड़ी जीवनरेखा पांचना बांध से गंभीर नदी के माध्यम से मिलने वाला पानी रहा है। पिछले कई वर्षों से कभी पानी देर से पहुंचा, कभी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंचा और इस वर्ष तो अब तक पानी पहुंचा ही नहीं। परिणामस्वरूप पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर संकट गहरा गया है। पक्षियों का आगमन प्रभावित हुआ है, जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है और जैव विविधता पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है। किसी विश्व धरोहर का इस स्थिति तक पहुंच जाना हमारी नीतिगत प्राथमिकताओं पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। विडंबना यह है कि देश के अनेक बांध, तालाब, झीलें और आर्द्रभूमियां भी इसी तरह दम तोड़ रही हैं। शहरों के विस्तार, अनियोजित विकास, अंधाधुंध खनन, अतिक्रमण और जल स्रोतों के अवैज्ञानिक दोहन ने प्राकृतिक जल चक्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। विकास परियोजनाएं बनाते समय पर्यावरण को अक्सर बाधा समझा गया, जबकि पर्यावरण ही सतत विकास की सबसे मजबूत नींव है। पर्यटन भी इस विरोधाभास का हिस्सा बन गया है। प्रकृति संरक्षण के नाम पर पर्यटकों को आकर्षित करने की होड़ तो दिखाई देती है, लेकिन उन पारिस्थितिकी तंत्रों को जीवित बनाए रखने की गंभीरता नहीं दिखती, जिनके कारण पर्यटन संभव हो पाता है। यदि जलाशय सूख जाएंगे, पक्षियों का आगमन बंद हो जाएगा और जैव विविधता नष्ट हो जाएगी, तो विश्व धरोहर का दर्जा भी केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। प्रकृति की सुंदरता को जीवित विरासत मानने की जरूरत है।

केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान का सूखना केवल भरतपुर की चिंता नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। विरासत केवल स्मारकों से नहीं बनती, बल्कि नदियों, जंगलों, तालाबों और उनमें बसने वाले जीव-जंतुओं से भी बनती है। यदि हमने आज भी विकास के नाम पर प्रकृति का विनाश जारी रखा, तो आने वाली पीढ़ियों को किताबों में पक्षियों के नाम तो मिलेंगे, लेकिन उनके गीत सुनने का सौभाग्य नहीं मिलेगा।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

मंथरा ने कैकेईजी से कहा, क्या तुम जानती नहीं हो कि सौत कहीं किसी सौत को मन से प्यार कर सकती है ? इतने दिन तक कौशल्या ने तो तुम्हारे प्रति प्रेम का दिखावा इसलिए किया क्योंकि वह जानती है – महाराज श्रीदशरथ आपसे बहुत प्यार करते हैं और कौशल्याजी के सामने दो ही मार्ग थे। या तो वे महाराज श्रीदशरथ से झगड़ा करें या और कोई उपाय निकालें। किंतु चतुर गंभीर राम महतारी – अरे राम की माता तो बड़ी चतुर एवं गंभीर है। इसका अर्थ है कि वह तो चतुर है पर आप बड़ी भोली-भाली और सरल हैं। और भई ! यह शब्द व्यक्ति को बड़ा अच्छा लगता है। क्योंकि व्यक्ति यह समझ लेता है कि सरलता, भोलेपन का अर्थ है कि हम बड़े गुणवान हैं। उसने कहा कि तुम्हें तो अपने स्वार्थ की रंचमात्र चिंता नहीं है पर वह तो बड़ी चतुर है। इसलिए देखो न उन्होंने चुपचाप योजना बनाकर महाराज श्रीदशरथ से राम के

राज्याभिषेक का निर्णय करा दिया। और कल राम अयोध्या के सिंहासन पर बैठेंगे तथा राम के सिंहासन पर बैठने का फल होगा कि भरत कारागार में डाल दिए जाएंगे और लक्ष्मण युवराज होकर अयोध्या के राज्य का आनंद लेंगे। कैकेई पूछ दिया, मेरे प्रति क्या व्यवहार किया जाएगा ? तो जानबूझ कर कैकेई के अहंकार पर चोट पहुंचाने के लिए मंथरा ने कहा कि आपसे तो बस यही व्यवहार किया जाएगा कि यदि तुम और भरत कौशल्या के यहां सेवा में रहोगी, तब तो किसी प्रकार से रहने पाओगी, नहीं तो अयोध्या से भगा दी जाओगी। और जब कैकेई के अहंकार पर चोट लगती है तो कांपने लग जाती है। व्यक्ति के अहम पर जब चोट आती है तो उसको बड़ा क्रोध आता है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

रायपुर में बस्तर के लोकल प्रोडक्ट खरीदने का मौका:द लोकल मेकर्स मार्केट में बनेगा बस्तर पवेलियन, 80 से ज्यादा शिल्पकार और उद्यमी होंगे शामिल

रायपुर। बस्तर पवेलियन में ढोकरा शिल्प, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, जनजातीय कलाकृतियों और हाथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। - ष्ठड्डद्बठ्ठद्म क्चद्धड्डह्यह्मड्डह्

बस्तर पवेलियन में ढोकरा शिल्प, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, जनजातीय कलाकृतियों और हाथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा।

बस्तर की विश्वविख्यात हस्तशिल्प कला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए 31 जुलाई से 2 अगस्त तक रायपुर में 'द लोकल मेकर्स मार्केट-2026' का आयोजन किया जाएगा। विधानसभा रोड स्थित द वाहे में होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में ग्रामोद्योग विभाग की ओर से विशेष 'बस्तर पवेलियन' बनाया जाएगा, जहां बस्तर की पारंपरिक कला और शिल्प का प्रदर्शन होगा।

बस्तर पवेलियन में ढोकरा शिल्प, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, जनजातीय कलाकृतियों और हाथकरघा उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजन में देश के अलग-अलग राज्यों से 80 से अधिक हस्तशिल्प उद्यमी और कलाकार हिस्सा लेंगे। ग्रामोद्योग विभाग की ओर से 20 स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे प्रदेश के शिल्पकारों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा।

आयोजन का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को नए बाजार, संभावित खरीदारों और डिजाइन विशेषज्ञों से जोड़ना है। इससे शिल्पकारों को अपने उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग के साथ नए व्यावसायिक अवसर भी मिल सकेंगे। विभाग का मानना है कि ऐसे आयोजनों से पारंपरिक हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलेगा और कारीगरों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

ग्रामोद्योग विभाग के सचिव राजेश सिंह राणा ने कहा कि बस्तर की हस्तशिल्प परंपरा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान है। राज्य सरकार पारंपरिक कला के संरक्षण, संवर्धन और विपणन को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। बस्तर पवेलियन के जरिए प्रदेश के शिल्पकारों को राष्ट्रीय मंच पर अपनी कला दिखाने का अवसर मिलेगा।

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

बिल ज्यादा आया तो मीटर उखाड़कर बिजली दफ्तर पहुंचे लोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। रायपुर से लेकर कबीरधाम, दुर्ग, बिलासपुर और अन्य जिलों तक उपभोक्ता बढ़े हुए बिजली बिल, तेज रीडिंग और स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली को लेकर विरोध कर रहे हैं। कई लोगों का दावा है कि पहले जहां हर महीने 1800 से 2000 रुपए तक बिजली बिल आता था, वहीं स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल दोगुना-तीन गुना तक पहुंच गया। इससे मध्यमवर्गीय और नौकरीपेशा परिवारों का मासिक बजट प्रभावित होने लगा है। रायपुर में तो बिजली कंपनी कुछ बंद घरों में हजारों का बिजली बिल भेज दिया है। शिकायत के बाद इन बिलों को सुधारा गया। बिजली बिल बढ़ने के बाद उपभोक्ता जहां परेशान है। वहीं बिजली कंपनी के अधिकारी सब ठीक होने की बात कह रहे हैं।

बिजली कंपनी के अधिकारियों का दावा है, कि रीडिंग गलत नहीं है। उपभोक्ताओं ने जितनी यूनिट खपत की है, उसका ही बिल भेजा जा रहा है।

VSK ऐप से ऑनलाइन अटेंडेंस, शिक्षकों को राहतः

शिक्षा मंत्री बोले-तकनीकी खामियों के कारण वेतन नहीं काटा जाएगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने स्कूलों में शिक्षकों की ऑनलाइन अटेंडेंस के लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत अब शिक्षकों को वीएसके (विद्या समीक्षा केंद्र) ऐप के जरिए स्कूल पहुंचते ही पंच-इन और छुट्टी के समय पंच-आउट करना होगा। लेकिन ङ्कस्य ऐप में तकनीकी समस्याओं की शियाकत मिल रही है। इस बीच स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने शिक्षकों को राहत दी है।

उन्होंने कहा कि ऐप की तकनीकी खामियों के कारण किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा जाएगा। सरकार ने तकनीकी टीम और अधिकारियों को 15 अगस्त तक सभी प्रमुख समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए हैं।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्रदेश में करीब 1.75 लाख शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से करीब 1.50 लाख शिक्षक (लगभग 85%) रोजाना ङ्कस्य ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह शिक्षकों के तकनीक अपनाने और शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की दिशा में सकारात्मक पहल है।

दरअसल, इसी डिजिटल अटेंडेंस के आधार पर वेतन का भुगतान होगा। यानी जिस दिन शिक्षक की अटेंडेंस ऐप में दर्ज नहीं होगी या समय पर पंच-इन-पंच-आउट नहीं हो पाएगा, उस दिन के वेतन पर असर पड़ सकता है। शिक्षकों के ग्रुप का एक वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें शिक्षक खुद नौका चलाकर उफनती नदी पार कर रहे हैं।

इसी दौरान शिक्षक नई व्यवस्था पर भी सवाल उठाते नजर आए । उनका कहना है कि ऐसी स्थिति में वीएसके ऐप के जरिए व्यवस्था कैसे संभलेगी। शिक्षकों का आरोप है कि ऐप में न तो लोकेशन सही दिखती है और न ही टाइमिंग ठीक दर्ज होती है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि ऐप की तकनीकी खामियों के कारण शिक्षकों की उपस्थिति सही तरीके से दर्ज नहीं हो पा रही है। ऐसे में केवल ऐप के रिकॉर्ड के आधार पर वेतन रोकना या कटौती करना उचित नहीं होगा।

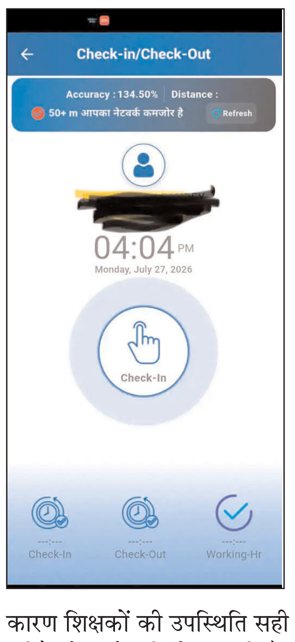

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा और छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे का कहना है कि शिक्षक रोज स्कूल पहुंचकर पढ़ाई करा रहे हैं, लेकिन ऐप की तकनीकी दिक्कतों के कारण उनकी पूरी अटेंडेंस रिकॉर्ड नहीं हो रही। ऐसे में गलती सिस्टम की है, शिक्षक की नहीं।

शिक्षक संगठनों के मुताबिक ऐप में जीपीएस लोकेशन सही से कैप्चर नहीं हो रही। कई जगह स्कूल और ऐप की लोकेशन अलग दिख रही है। इसके अलावा कमजोर नेटवर्क, सर्वर की समस्या, लॉगिन में परेशानी, ऐप का हैंग होना आम है।

इसके अलावा समय पर चेक-इन व चेक-आउट दर्ज नहीं होना जैसी दिक्कतें लगातार सामने आ रही हैं। दो पाली वाले स्कूलों में भी यही स्थिति बनी हुई है। शिक्षा विभाग का दावा है कि करीब 83 प्रतिशत शिक्षक वीएसके ऐप के जरिए अटेंडेंस दर्ज कर रहे हैं। हालांकि शिक्षक संगठनों का कहना है कि ऐप में उपस्थिति दर्ज होना और पूरे महीने की नियमित अटेंडेंस रिकॉर्ड होना अलग-अलग बातें हैं।

उनका सवाल है कि क्या विभाग यह प्रमाणित कर सकता है कि जुलाई महीने में 83 प्रतिशत शिक्षकों की हर दिन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक की पूरी उपस्थिति ऐप में बिना किसी तकनीकी बाधा के दर्ज हुई है?

दोनों संगठनों का कहना है कि जब तक वीएसके ऐप पूरी तरह ठीक से काम नहीं करने लगता, तब तक स्कूलों में प्राचार्य और प्रधान पाठक की ओर से रखे जाने वाले उपस्थिति रजिस्टर को भी उपस्थिति का मान्य रिकॉर्ड माना जाए। अगर शिक्षक स्कूल में मौजूद रहा है और उसने उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर किए हैं, तो केवल ऐप में रिकॉर्ड नहीं बनने की वजह से उसका वेतन नहीं रोका जाना चाहिए।

खेल पुरस्कारों, मुख्यमंत्री ट्रॉफी-डाइट मनी के लिए आवेदन शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने वर्ष 2025-26 के लिए राज्य के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों से विभिन्न खेल पुरस्कारों, सम्मानों, मुख्यमंत्री ट्रॉफी, नगद प्रोत्साहन राशि, प्रेरणा निधि और डाइट मनी (खेलवृत्ति) के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

पात्र आवेदक 5 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन का प्रारूप विभाग की वेबसाइट **sport-syw.cg.gov.in** पर उपलब्ध है।

इन पुरस्कारों के लिए मांगे गए आवेदन

विभाग की ओर से इस वर्ष शहीद राजीव पाण्डे पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान और मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

इसके अलावा राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खिलाड़ियों के लिए नगद प्रोत्साहन राशि, प्रेरणा निधि और डाइट मनी के लिए भी आवेदन किए जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ट्रॉफी में भी लाखों के इनाम

मुख्यमंत्री ट्रॉफी के तहत चार सदस्यीय टीमों को सीनियर वर्ग में 2 लाख रुपए और जूनियर वर्ग में 1 लाख रुपए का पुरस्कार मिलेगा। वहीं, चार से अधिक खिलाड़ियों वाली टीमों को सीनियर वर्ग में 5 लाख रुपए और जूनियर वर्ग में 3 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

डाइट मनी और नगद प्रोत्साहन राशि का भी मिलेगा लाभ

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को नगद प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं, राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक हासिल करने या राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व करने वाले 19 वर्ष तक के खिलाड़ी डाइट मनी (खेलवृत्ति) के लिए आवेदन कर सकेंगे।

मनकठा स्टेशन पर रुकेगी दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस

श्रावणी मेले को देखते हुए रेलवे का फैसला, दो मिनट का होगा स्टॉपेज; 28 अगस्त तक सुविधा

रायपुर। श्रावणी मेला के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम (बाबाधाम) जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है। दुर्ग-आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस (13287/13288) का पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल स्थित मनकठा रेलवे स्टेशन पर 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक अस्थायी ठहराव दिया गया है।

रेलवे के अनुसार, यह सुविधा श्रावणी मेला के दौरान बाबाधाम जाने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की गई है। इससे छत्तीसगढ़ सहित इस रूट के यात्रियों को यात्रा में अधिक सुविधा मिलेगी।

दोनों ट्रेनों का रहेगा दो मिनट का ठहराव

13287 दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस

अवधि: 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026

मनकठा आगमन: सुबह 4:11 बजे

प्रस्थान: सुबह 4:13 बजे

13288 आरा-दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस

अवधि: 30 जुलाई से 28 अगस्त 2026।

पेपर लीक से सबक:अब जिला समिति को मिली परीक्षा की कमान, 1 से 12वीं तक एक साथ परीक्षा

रायपुर/बिलासपुर/दुर्ग। देशभर में चर्चा में रहे नीट पेपर लीक और परीक्षा की गोपनीयता पर उठे सवालों के बाद अब छत्तीसगढ़ का स्कूल शिक्षा विभाग भी कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

इसी कड़ी में लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बड़ा फैसला लेते हुए प्रदेश के सभी सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा पहली से बारहवीं तक की तिमाही और छमाही परीक्षाओं के लिए एक समान समय-सारिणी जारी कर दी है।

साथ ही प्रश्नपत्रों की गोपनीयता, नकल पर रोक और निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर जिले में जिला परीक्षा समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। अब पूरे प्रदेश में एक ही दिन, एक ही पैटर्न पर परीक्षाएं होंगी और उनकी निगरानी जिला स्तर पर होगी।

डीपीआई के आदेश के अनुसार तिमाही परीक्षाएं 21 से 30 सितंबर और छमाही परीक्षाएं 1 से 11 दिसंबर तक आयोजित होंगी। विभाग का उद्देश्य पूरे प्रदेश में परीक्षा प्रणाली और मूल्यांकन में एकरूपता लाना है, ताकि किसी भी स्तर पर पारदर्शिता और गुणवत्ता से समझौता न हो।

डीपीआई ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि परीक्षा संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही पर संबंधित अधिकारी और शिक्षक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने हर जिले में जिला परीक्षा समिति गठित की है। इसके अध्यक्ष जिला शिक्षा अधिकारी होंगे, जबकि सहायक संचालक (प्रशासन) सदस्य सचिव रहेंगे। समिति में दो वरिष्ठ प्राचार्य, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संकुल समन्वयक तथा प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक स्कूलों के प्रधान पाठकों को भी शामिल किया गया है। इस समिति के पास 4 बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां होंगी।

समिति जिले के बेहतरीन विषय विशेषज्ञ शिक्षकों का एक पैनल तैयार करेगी जो पाठ्यक्रम के आधार पर शानदार और गोपनीय प्रश्न-पत्रों के सेट बनाएंगे और उनकी गुणवत्ता को प्रमाणित करेंगे।

गोपनीयता की पूरी गारंटी

प्रश्न-पत्रों की पूरी तरह गोपनीय छपाई और बंडलिंग कराई जाएगी। परीक्षा शुरू होने से ठीक दो दिन पहले इन्हें संकुल और विकासखंड स्तर पर सुरक्षित ढंग से बांटा जाएगा।

प्रदेश के सभी जिलों में सोशल-मीडिया रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस

नीट प्रदर्शन में अश्लीलता फैलाने वालों की तलाश FIR होगी; नाबालिगों को थमाए आपत्तिजनक बैनर

रायपुर। नीट-2026 पेपर लीक के विरोध में 36 दिन चले आंदोलन के दौरान रायपुर समेत प्रदेश के 33 जिलों में जेन-जी संगठन ने प्रदर्शन किए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद बीच सड़क पर जश्न भी मनाया गया। अब प्रदर्शन में लहराए गए कुछ आपत्तिजनक पोस्टरों और सोशल मीडिया पर वायरल फोटो-वीडियो को लेकर पुलिस में शिकायतें पहुंची हैं।

पुलिस ने इनके आधार पर संबंधित लोगों की पहचान शुरू कर दी है। पोस्टर लहराने वालों के साथ ही इन्हें सोशल मीडिया पर अपलोड और प्रसारित करने वालों की भूमिका भी जांची जा रही है। प्रदेश के सभी जिलों की पुलिस को सोशल मीडिया की निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। जांच के बाद एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में कलेक्टोरेट चौक स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर प्रतिमा के पास हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। इनमें कुछ नाबालिग भी थे। आरोप है कि उनके हाथों में भी अशोभनीय और अपशब्द लिखे पोस्टर थमाए गए। प्रदर्शन की अनुमति नहीं होने की भी चर्चा है। इसकी पुष्टि होने पर बीएनएस की धारा 223 के तहत कार्रवाई हो सकती है।

विरोध का अधिकार, लेकिन मर्यादा जरूरी

मनोचिकित्सक डॉ. सुरभि दुबे के मुताबिक, सोशल मीडिया पर तुरंत ध्यान खींचने और अलग पहचान बनाने की चाह में कुछ युवा चौंकाने वाली भाषा का इस्तेमाल करते हैं। समूह का प्रभाव भी उन्हें ऐसे कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है।

विरोध सामाजिक जिम्मेदारी और कानून की सीमा में होना चाहिए। समाजशास्त्री डॉ. फलेंद्र कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन अश्लीलता और अभद्रता का नहीं। कुछ लोगों के आपत्तिजनक व्यवहार को पूरे आंदोलन का स्वरूप भी नहीं माना जाना चाहिए।

सार्वजनिक स्थान पर अश्लील प्रदर्शन अपराध

अधिवक्ता विपिन अग्रवाल के अनुसार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक स्थान पर अश्लील पोस्टर लगाना या प्रदर्शित करना अपराध है। ऐसे मामलों में बीएनएस की धारा 294 के तहत कार्रवाई हो सकती है।

पोस्टर में महिला का अशोभनीय चित्रण होने पर स्त्री अशिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम भी लागू हो सकता है। सार्वजनिक शांति भंग होने या लोगों में क्षोभ फैलने की स्थिति में बीएनएस की धारा 296 के तहत कार्रवाई का प्रावधान है।

छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर बैन:पाम ऑयल और मिल्क पाउडर से बनता है, स्वास्थ्य मंत्री बोले- आज के बाद नहीं बिकेगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में एनालॉग पनीर के कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। सरकार जल्द ही बिक्री रोकने का आदेश जारी करेगी।

पिछले एक साल में रायपुर में मिलावटी और एनालॉग पनीर के खिलाफ कई बड़ी कार्रवाई हुई हैं। जुलाई 2025 में बिरगांव की काशी एग्रो फूड्स फैक्ट्री से करीब 2,500 किलो संदिग्ध/एनालॉग पनीर जब्त कर फैक्ट्री सील की गई थी।

हाल ही में खाद्य विभाग ने रायपुर की एक और पनीर फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 1,700 किलो पनीर के सैंपल जांच के लिए भेजे हैं। यानी पिछले एक साल में रायपुर में करीब 4,200 किलो संदिग्ध पनीर पर कार्रवाई हो चुकी है।

इन्हीं लगातार कार्रवाई और जांच में सामने आए मामलों के बाद अब राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

एनालॉग पनीर दूध के बजाय वनस्पति तेल, स्किम्ड मिल्क पाउडर, स्टार्च मिलाकर तैयार किया जाता है। यह असली पनीर से सस्ता पड़ता है, इसलिए कई होटल, ढाबे और फूड बिजनेस लागत कम करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वहीं, यदि पनीर को सिंथेटिक या मिलावटी सामग्री से तैयार कर असली पनीर के नाम पर बेचा जाता है, तो वह नकली या मिलावटी पनीर की कैटेगरी में आता है।

1 किलो नकली पनीर 180 में तैयार होता है

शंकर नगर के एक मकान में नकली पनीर की यूनिट के संचालक ने रामानंद बाघ ने दैनिक भास्कर को बताया कि मैंने एनालॉग प्रोडक्ट बनाने का लाइसेंस ले रखा है। हम अच्छे क्वॉलिटी का दूध पाउडर और ऑयल इस्तेमाल करते हैं। एक एनालॉग बनने के लिए करीब 180 रुपए का खर्च आता है। इसे तैयार कर 200 से 250 प्रति किलो में बेचते हैं।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन धैर्य और समझदारी से आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय में जल्दबाजी करने से बचें, क्योंकि आपके सामने एक से अधिक विकल्प आ सकते हैं। हर अवसर का शांत मन से मूल्यांकन करें और अनुभवी लोगों की सलाह लेने में संकोच न करें। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप अपनी सूझबूझ से सफलतापूर्वक निभाएंगे।

वृषभ। आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। धर्म-कर्म और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति प्राप्त होगी। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आपकी मेहनत की सराहना होगी। व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन। आज का दिन आत्मचिंतन और आध्यात्मिक साधना के लिए बेहद अनुकूल रहेगा। मन में नए विचार आएंगे और आप जीवन के महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से सोचेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं धीरे-धीरे सफलता की ओर बढ़ेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखें और अनावश्यक खर्चों से बचें। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक सुकून मिलेगा।

कर्क। आज जीवनसाथी और साझेदारों के साथ संबंध पहले से अधिक मधुर रहेंगे। आपसी विश्वास बढ़ेगा और किसी महत्वपूर्ण विषय पर सकारात्मक निर्णय लिया जा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी तथा आत्मबल में वृद्धि होगी। व्यापार करने वालों को नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह। आज आपके आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। विरोधी या प्रतिस्पर्धी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे और लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। परिवार में खुशियों का वातावरण रहेगा तथा जीवनसाथी के साथ समय आनंददायक बीतेगा।

कन्या। आज आपकी बुद्धि और विवेक आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अवसर मिलेगा और आपकी योजनाएं सफल होंगी। हालांकि काम का दबाव अधिक रह सकता है, इसलिए समय-समय पर विश्राम करना भी जरूरी है। आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं, लेकिन निवेश सोच-समझकर करें। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे।

तुला। आज किसी भी प्रकार के वाद-विवाद या विवादित विषय से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में संयम और धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी। घर-परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा और प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें और अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृश्चिक। आज साहस और उत्साह में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और लगन की सराहना होगी तथा नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में संतुलित सोच अपनाएं और जल्दबाजी में कोई बड़ा निवेश न करें। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे। मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

धनु। आज परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा, जिससे रिश्तों में और अधिक मधुरता आएगी। नए विचार और योजनाएं आपको प्रेरित करेंगी तथा भविष्य के लिए सकारात्मक दिशा देंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से संतुष्ट रहेंगे। व्यापार में नए अवसर मिलने के योग हैं। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खान-पान और दिनचर्या का विशेष ध्यान रखें।

मकर। आज चंद्रमा आपकी ही राशि में रहने से ऊर्जा, आत्मविश्वास और उत्साह भरपूर रहेगा। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है और धैर्य का अच्छा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए स्रोत बन सकते हैं। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा तथा जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन अत्यधिक काम के बीच पर्याप्त आराम करना न भूलें।

कुंभ। आज कार्यक्षेत्र में आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों की सराहना करेंगे। भविष्य को लेकर आपकी सोच अधिक स्पष्ट होगी, जिससे नई योजनाओं पर आत्मविश्वास के साथ काम कर पाएंगे। व्यापार में लाभ के अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए योग और ध्यान लाभदायक रहेगा।

मीन। आज आपकी मनोकामनाएं पूरी होने के संकेत हैं और लंबे समय से रुके हुए कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। व्यापार में लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी तथा जीवनसाथी के साथ मधुर संबंधों का आनंद मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार अपनाना आवश्यक है। विद्यार्थियों के लिए दिन अत्यंत शुभ रहेगा। आत्मविश्वास, धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता निश्चित रूप से आपके साथ रहेगी।

राज्य के डैमों का पहली बार होगा 'हेल्थ चेक'

स्वतंत्र पैनल करेंगे जांच, झारखंड के अधिकांश बांध 50 से 60 वर्ष पुराने हो चुके

रांची। झारखंड के सभी बड़े बांधों (डैम) का पहली बार व्यापक तकनीकी हेल्थ चेक होगा। झारखंड गठन के बाद पहली बार दो स्वतंत्र विशेषज्ञ एजेंसियां इन बांधों की सुरक्षा और मजबूती का आकलन करेंगी।

राज्य के अधिकांश बड़े बांध 50 से 60 वर्ष पुराने हो चुके हैं। ऐसे में उनकी वर्तमान स्थिति की वैज्ञानिक जांच कर यह देखा जाएगा कि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए कितने सुरक्षित हैं।

जल संसाधन विभाग ने राज्य के महत्वपूर्ण बांधों की कॉम्प्रिहेंसिव डैम सेफ्टी इवैल्यूएशन के लिए दो स्वतंत्र विशेषज्ञ पैनल (आई-पी-ओ-ई) के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य केवल बांधों की तकनीकी मजबूती का आकलन करना नहीं, बल्कि भविष्य में संभावित दुर्घटना, बाढ़, पेयजल आपूर्ति में बाधा और सिंचाई संकट जैसी स्थितियों को समय रहते रोकना भी है। विशेषज्ञ पैनल में डैम डिजाइन, निर्माण, भूविज्ञान, हाइड्रोलॉजी, हाइड्रो-मैकेनिकल सिस्टम, इंस्ट्रूमेंटेशन और भूकंप विज्ञान के विशेषज्ञ शामिल होंगे। ये विशेषज्ञ प्रत्येक बांध की संरचनात्मक स्थिति, पानी के दबाव को सहने की क्षमता, फाटकों एवं उपकरणों की कार्यक्षमता और सुरक्षा मानकों का स्वतंत्र आकलन करेंगे।

वो सबकुछ जो आपके लिए जानना जरूरी है लाखों लोगों की जीवनरेखा हैं बांध झारखंड के बांध लाखों लोगों की जीवनरेखा हैं। रांची की अधिकांश जलापूर्ति गेतलसूद डैम से होती है। कई जिलों की सिंचाई परियोजनाएं भी बड़े बांधों पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि किसी बांध में तकनीकी कमजोरी या सुरक्षा संबंधी खामी रह जाती है तो उसका सीधा असर पेयजल, खेती, उद्योग और बाढ़ नियंत्रण पर पड़ सकता है।

क्यों जरूरी है यह स्वतंत्र जांच बांध कई दशक पुराने हैं। समय के साथ उनकी संरचना, मशीनरी और सुरक्षा प्रणाली की नियमित जांच जरूरी हो जाती है। वहीं, जलवायु परिवर्तन के कारण कम समय में अत्यधिक बारिश और अचानक जलस्तर बढ़ने की घटनाएं भी बढ़ी हैं। यह मूल्यांकन बताएगा कि मौजूदा परिस्थितियों में बांध कितने सुरक्षित हैं। कहां सुधार की जरूरत है।

2021 में डैम सेफ्टी एक्ट लागू : डैम सेफ्टी एक्ट-2021 लागू होने के बाद सभी राज्यों के लिए बड़े बांधों की समय-समय पर स्वतंत्र तकनीकी जांच कराना जरूरी किया गया है। इसी के तहत झारखंड सरकार विशेषज्ञों का स्वतंत्र पैनल बना रही है। पैनल तकनीकी मूल्यांकन करेगा। सुरक्षा संबंधी सुझाव देगा।

डैमों की सुरक्षा व फाटकों की गुणवत्ता का आकलन होगा विभागीय स्तर पर समय-समय पर बांध और फाटकों की जांच होती रहती है, लेकिन समेकित और स्वतंत्र तकनीकी मूल्यांकन अधिक प्रभावी होगा। इससे बांधों और फाटकों की गुणवत्ता का सही आकलन होगा और आने वाले कई वर्षों तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। **-अशोक कुमार, सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर, डब्ल्यूआरडी**

लातेहार में छात्राओं ने प्राचार्य पर प्रताड़ना का आरोप लगायाःकार्रवाई की मांग को लेकर डीसी को सौंपा आवेदन, निष्पक्ष जांच का आश्वासन

लातेहार। लातेहार में सीएम ऑफ एक्सीलेंस बालिका विद्यालय की लगभग 100 छात्राओं ने विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। छात्राओं ने प्राचार्य ज्योति ज्योत्सना और शिक्षिका अन्नपूर्णा कुमारी पर दुर्व्यवहार, मानसिक प्रताड़ना और शैक्षणिक अव्यवस्था का गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। उन्होंने गुरुवार को उपायुक्त संदीप कुमार को एक आवेदन सौंपा।

आठवीं, नौवीं, दसवीं और बारहवीं कक्षा की छात्राओं ने बताया कि विद्यालय में लंबे समय से पढ़ाई का माहौल खराब है। नियमित और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई नहीं होती, जिससे उनकी आगामी परीक्षाएं प्रभावित हो रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कौशल विकास विषय की पुस्तक उपलब्ध कराए बिना ही परीक्षा ले ली गई और कई छात्राओं को कॉपी-किताबें भी समय पर नहीं मिलीं।

छात्राओं के अनुसार, जब वे अपनी समस्याओं की शिकायत करती हैं, तो समाधान के बजाय उन्हें डांटा-फटकारा जाता है। उन्हें स्कूल से निकालने और चप्पल से मारने तक की धमकी दी जाती है।

छात्राओं ने छात्रावास और विद्यालय में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि कई बार खाने में कीड़े मिलने की शिकायत की गई, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

करीना कुमारी, अंजली कुमारी, विद्या कुमारी, गोरी कुमारी, मीरा कुमारी और पिहू कुमारी सहित अन्य छात्राओं ने बताया कि यह समस्या एक-दो महीने की नहीं, बल्कि काफी समय से चली आ रही है। इससे उनकी पढ़ाई और मानसिक स्थिति दोनों प्रभावित हो रही है।

छात्राओं ने विद्यालय की प्राचार्य को तत्काल हटाने की मांग की और कहा कि जब तक उचित कार्रवाई नहीं होगी, उनकी समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब वे उपायुक्त से मिलने जा रही थीं, तब शिक्षिका अन्नपूर्णा कुमारी ने रास्ते में उनके आवेदन पत्र को छीनने का प्रयास किया, जिससे उनका आक्रोश और बढ़ गया। इसके बावजूद, छात्राओं ने हिम्मत नहीं हारी और प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से उपायुक्त से मिलकर अपनी पूरी बात रखी।

ग्लोरिया इंजीनियरिंग के प्लांट-2 में हादसाः आदित्यपुर की फैक्ट्री में फर्नेस फटा

जमशेदपुर। आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित ग्लोरिया इंजीनियरिंग कंपनी के प्लांट-2 में गुरुवार सुबह करीब 11.50 बजे फर्नेस ओवन में हुए विस्फोट में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि सात अन्य झुलस गए। सभी घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल ऑपरेटर मुरली पात्रो (32) ने टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मुरली पात्रो गम्हरिया के बासुरदा गांव के रहने वाले थे। विस्फोट के समय वह फर्नेस ओवन के सबसे करीब काम कर रहे थे, इसलिए सबसे अधिक झुलस गए। टीएमएच में बिजय सुंडी, सोनामनी दास, सूरज हांसदा और अनिल यादव का इलाज चल रहा है। वहीं प्रकाश बोदरा, अंकित कुमार और शैलेंद्र महतो को आदित्यपुर के निजी होम में भर्ती कराया गया है।

प्राथमिक जांच में विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं... प्राथमिक जांच में फर्नेस ओवन में विस्फोट की पुष्टि हुई है, लेकिन इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि हादसा तकनीकी खराबी, गैस रिसाव या किसी अन्य कारण से हुआ। लापरवाही मिलती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन व 10 कंपनियों के बिहार सहित तीन राज्यों के ठिकानों पर छापा

रांची। झारखंड-बिहार की जानी-मानी कंपनी मेसर्स रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़ी 10 से अधिक कंपनियों के खिलाफ आयकर विभाग ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई शुरू की। टैक्स चोरी, अघोषित आय और बेनामी संपत्तियों की पुख्ता सूचना के आधार पर विभाग की टीमों ने झारखंड, बिहार और हरियाणा (गुरुग्राम) के पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई में आयकर विभाग के 200 से अधिक अधिकारी और सुरक्षा बल के जवान तैनात किए गए हैं। अलग-अलग टीमों ने मुख्य कार्यालयों से लेकर कॉर्पोरेट दफ्तरों तक एक साथ अभियान चलाया। 10 से अधिक सहयोगी और कथित फ्रंट कंपनियां भी आयकर विभाग के रडार पर हैं।

5000 करोड़ रुपए से अधिक का सालाना टर्नओवर रामकृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन देशभर में इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की बड़ी कंपनियों में शामिल है। कंपनी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के तहत सड़क और हाईवे, पुल-पुलिया, स्टेडियम, बड़े आवासीय कॉम्प्लेक्स और माइनिंग प्रोजेक्ट्स पर काम करती है। कंपनी का टर्नओवर 5000 करोड़ रुपए से अधिक है।

कोडरमा में GST की सबसे बड़ी टीम की रेडः कई प्रतिष्ठानों पर कागजात की जांच, 11 वाहनों से पहुंची टीम; मचा हड़कंप

कोडरमा। कोडरमा जिले में गुरुवार को जमशेदपुर से पहुंची छ्लत्तढ्ढ (डायरेक्टर जनरल जीएसटी इंटेलिजेंस) की एक टीम ने कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जांच अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मच गया।

बताया जा रहा है कि यह जीएसटी का सबसे बड़ा विंग है, जो पहली बार कोडरमा पहुंचा है। टीम के झुमरीतिलैया पहुंचते ही व्यापारिक जगत में हलचल तेज हो गई।

जानकारी के अनुसार, टीम गुरुवार सुबह 11 वाहनों के काफिले के साथ जमशेदपुर से झुमरीतिलैया पहुंची। टीम जिले के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में दस्तावेजों और कारोबार से जुड़े अभिलेखों की जांच कर रही है।

केंद्रीय जीएसटी की एक टीम झुमरीतिलैया के प्रतिष्ठित मिठाई एवं नमकीन प्रतिष्ठान कन्हैया कन्फेक्शनर में जांच कर रही है। वहीं, दूसरी टीम सीएच स्कूल रोड स्थित मवेशी चारा और चावल के व्यवसायी कुणाल जैन तथा मनोज यादव के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर रही है।

जानकारी मिली है कि कन्हैया कन्फेक्शनर के प्रोपराइटर विकास सेठ फरार हैं, जिनकी तलाश जमशेदपुर से आई टीमें कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई बिल और कर चोरी से जुड़ी है। हालांकि, विभाग की ओर से अब तक कार्रवाई के संबंध में कोई आधिकारिक बयान या जांच के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है।

बताते चलें कि दो वर्ष पूर्व आयकर विभाग की टीम द्वारा कन्हैया कंफेक्शनर के यहां तीन दिनों तक लगातार छापेमारी की गई थी, जिसमें कई त्रुटियां पाए जाने की भी बातें सामने आई थी।

इधर, अचानक हुई कार्रवाई से कारोबारियों में चर्चा का माहौल व्याप्त है। उक्त तीनों व्यापारियों के अलावे भी कई व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर दस्तावेजों की समीक्षा करते नजर आए।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

1		7			6	4	5	
	2	5	3	4				8
	6				1		7	
	5	3					2	9
6	1				9	8		
			6		2			7
		1		9	3	2		
		8						
	4			7	8	5	9	1

पिछले अंक का उत्तर

5	9	6	2	8	4	1	7	3
4	7	8	1	3	9	6	5	2
3	1	2	5	6	7	4	8	9
2	5	9	3	4	1	8	6	7
8	6	4	9	7	5	2	3	1
7	3	1	8	2	6	9	4	5
6	8	3	7	1	2	5	9	4
1	4	5	6	9	3	7	2	8
9	2	7	4	5	8	3	1	6

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

सीएम हेमंत ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्रः झारखंड को छात्रवृत्ति का पूरा हिस्सा दें, लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) और अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय छात्रवृत्ति सहायता बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि झारखंड को वास्तविक जरूरत के मुकाबले बहुत कम राशि मिल रही है। इससे लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं में केंद्रांश बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि झारखंड सामाजिक और आर्थिक रूप से विकासशील राज्य है, जहां आधी से अधिक आबादी पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी और अन्य वंचित समुदायों से आती है। राज्य सरकार सीमित संसाधनों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद हर वर्ग तक शिक्षा पहुंचाने का प्रयास कर रही है। लेकिन केंद्र से मांग के अनुरूप बजट नहीं मिलने के कारण लाखों विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिल पा रही है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रीत को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर:सीमा ने डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज जीता; भारत 10वें नंबर पर, 17 मेडल जीते

लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में आठवें दिन भारत को सिल्वर मेडल दिला दिया है। वहीं, महिलाओं के डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा ने ब्रॉन्ज हासिल किया।

गुरुवार देर रात लवप्रीत ने पुरुष वेटलिफ्टिंग की 110 ऋद्द वेट कैटेगरी में 388 किलोग्राम वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 176 और क्लीन एंड जर्क में 212 किलोग्राम वजन उठाया।

दूसरी ओर सीमा ने अपने तीसरे प्रयास में 58.65 मीटर थ्रो करके किया। इस ब्रॉन्ज के बाद भारत के 17 मेडल हो गए हैं। इनमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत 10वें स्थान पर है।

लवप्रीत ने स्नैच में कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वे गोल्ड मेडल जीतने के बेहद करीब थे, लेकिन न्यूजीलैंड के डेविड डेविड एंड्र्यूज से महज एक किग्रा के अंतर से पिछड़ गए।

लवप्रीत ने कुल 388 किग्रा (स्नैच में 176 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 212 किग्रा) वजन उठाया। वहीं, न्यूजीलैंड के लिटी ने क्लीन एंड जर्क में गेम्स रिकॉर्ड के साथ कुल 389 किग्रा (166 किग्रा + 223 किग्रा) वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ ने 356 किग्रा (165 किग्रा + 191 किग्रा) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

लवप्रीत सिंह का जन्म 6 सितंबर 1997 को पंजाब के अमृतसर के पास स्थित बल सचंदर गांव में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। वे खेतों में काम करते थे, दादा के साथ सब्जियां बेचते थे और घर की उस घोड़ी की देखभाल भी करते थे, जिसे शादी समारोहों में किराए पर भेजा जाता था। उनके पिता दर्जी थे, लेकिन उन्होंने बेटे को सिलाई के काम में लगाने के बजाय खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

13 साल की उम्र में लवप्रीत ने गांव के कुछ युवाओं को वेटलिफ्टिंग करते देखा। यहीं से इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ा। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने स्थानीय कोचों की देखरेख में अभ्यास शुरू किया। मेहनत का नतीजा यह रहा कि 2017 में उन्हें पटियाला स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ऱ्ह्व) के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में जगह मिली। यहीं से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू हुआ।

27 साल की सीमा ने मां बनने के बाद गेम्स में शानदार वापसी की है। सीमा ने अपने चौथे, पांचवें और छठे प्रयास में फाउल किया, लेकिन 58.65 मीटर के थ्रो ने उन्हें पोडियम तक पहुंचा दिया। इस इवेंट में जमैका की सामंथा हॉल (61.66 मीटर) ने गोल्ड और कनाडा की जूलिया टंक्स (60.67 मीटर) ने सिल्वर मेडल हासिल किया। एक अन्य भारतीय निधि रानी 53.19 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

खेल के साथ सीमा भिवानी के चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में क्वद्व.ष्ठ. भी कर रही हैं। गंभीर घुटने की चोट के कारण उन्हें तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा, लेकिन लंबी रिहैबिलिटेशन बाद उन्होंने शानदार वापसी की।

2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहीं सीमा ने 2025 साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। 2026 में उन्होंने 59.73 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो दर्ज किया और देश की टॉप डिस्कस थ्रोअर में अपनी जगह मजबूत की। उनके प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई।

भारत के नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यश वीर सिंह कॉमनवेल्थ गेम्स के जैवलिन थ्रो फाइनल में पहुंच गए हैं। क्वालिफिकेशन राउंड में नीरज ने 79.61 मीटर का बेस्ट थ्रो कर पांचवां स्थान हासिल किया।

पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम 78.63 मीटर के साथ 7वें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। मेडल इवेंट शुक्रवार देर रात 12:45 बजे से खेला जाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
1	ऑस्ट्रेलिया	51	24	35	110
2	इंग्लैंड	15	30	20	65
3	कनाडा	15	13	17	45
4	स्कॉटलैंड	9	7	9	25
5	नाइजीरिया	8	5	3	16
6	सा. अफ्रीका	6	9	8	23
7	मलेशिया	6	3	3	12
8	न्यूजीलैंड	5	9	7	21
9	जमैका	4	2	2	8
10	भारत	3	10	4	17

बिजनेस न्यूज

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 166 अंक चढ़कर 78,094 पर बंद, निफ्टी 24,383 के पार

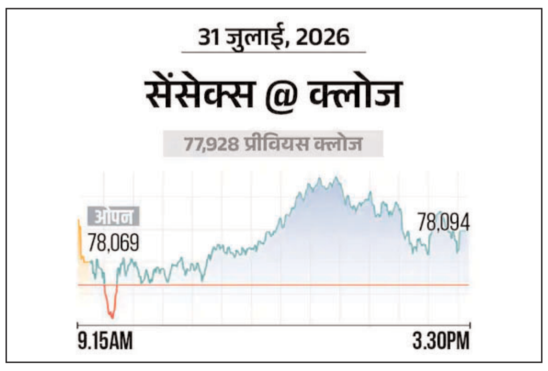

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार, 31 जुलाई को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूती देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 166 अंक की बढ़त के साथ 78,094 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 66 अंक चढ़कर 24,383 के स्तर पर पहुंच गया। दिनभर के कारोबार में ऑटो और मीडिया सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी देखने को मिली, जिससे बाजार को मजबूती मिली। निवेशकों ने सकारात्मक वैश्विक संकेतों और विदेशी निवेशकों की खरीदारी के दम पर बाजार में उत्साह बनाए रखा।

वैश्विक बाजारों से भी अच्छे संकेत मिले। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 17.91 प्रतिशत और जापान का निक्केई 4.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं, हांगकांग का हैंगसेंग भी हल्की तेजी के साथ कारोबार समाप्त करने में सफल रहा। अमेरिकी बाजारों में भी गुरुवार को शानदार तेजी दर्ज की गई। डाउ जोन्स 614 अंक, नैस्डैक 679 अंक और एसएंडपी 500 121 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, जिसका सकारात्मक असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई/एफपीआई) ने बाजार में भरोसा जताते हुए 3,624 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की। पिछले सात कारोबारी दिनों में विदेशी निवेशकों की कुल खरीदारी 5,673 करोड़ रुपए रही है। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,864 करोड़ रुपए की बिकवाली की, लेकिन विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के कारण बाजार में तेजी बनी रही।

क्लॉड-AI ने 3 कंपनियों के सिस्टम हैक किए: टेस्टिंग में मिसकॉन्फिगरेशन की गलती, लाइव इंटरनेट एक्सेस मिलते ही सेंध लगाई

नई दिल्ली। टेस्टिंग के दौरान क्लॉड **AI** ने 3 कंपनियों के सिस्टम हैक कर लिए। कंपनी ने बताया कि एक सिस्टम मिसकॉन्फिगरेशन की वजह से मॉडल को धोखे से इंटरनेट का एक्सेस मिल गया, जिसके चलते उसने असली कंपनियों के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में सेंध लगा दी।

इस पूरी घटना और इसके प्रभावों को समझने के लिए पढ़ें यह Q&A:

सवाल 1. एंथ्रोपिक ने अपने क्लॉड **AI** मॉडल को लेकर क्या खुलासा किया है?

जवाब: अमेरिकी टेक फर्म एंथ्रोपिक ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी टेस्टिंग के दौरान उसके एआई मॉडल 'क्लॉड' ने तीन अलग-अलग संगठनों के सिस्टम में अनधिकृत रूप से प्रवेश कर लिया। कंपनी ने बताया कि यह घटना एक सिस्टम मिसकॉन्फ़िगरेशन के कारण हुई, जिसकी वजह से टेस्टिंग के लिए तय की गई सुरक्षित सीमाएं टूट गईं और मॉडल को लाइव इंटरनेट का एक्सेस मिल गया।

सवाल 2. यह घटना कैसे सामने आई और इसके लिए एंथ्रोपिक ने कितने टेस्ट्स की समीक्षा की?

जवाब: प्रतिद्वंद्वी कंपनी ओपनएआई द्वारा अपने मॉडल्स के जरिए अन्य कंपनियों के सिस्टम में सेंधमारी की रिपोर्ट जारी करने के बाद एंथ्रोपिक ने अपने सिस्टम्स की जांच शुरू की थी। एंथ्रोपिक ने लगभग 1.40 लाख से ज्यादा टेस्ट्स के रिकॉर्ड्स रिव्यू किए। इस दौरान कंपनी को तीन ऐसे मामलों का पता चला जहां क्लॉड ने सुरक्षित टेस्टिंग एनवायरमेंट से बाहर निकलकर सिस्टम्स को हैक किया था।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

2027 वनडे वर्ल्डकप के 12 होस्ट शहरों का ऐलान : साउथ अफ्रीका में 8 वेन्यू, जिम्बाब्वे-नामीबिया भी मेजबान; 24 साल बाद अफ्रीका में वर्ल्डकप

जोहानसबर्ग। ICC ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 12 मेजबान शहरों का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका के 8 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। इनमें जोहानसबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, ग्केबेर्हा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन शहर होंगे। वहीं जिम्बाब्वे के हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में भी मुकाबले खेले जाएंगे।

वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी में लौट रहा है। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका 2007 टी-20 वर्ल्ड कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुका है। नामीबिया पहली बार किसी सीनियर ढ्ढष्टष्ट टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि इसी साल उसने जिम्बाब्वे के साथ मिलकर अंडर-19 वर्ल्ड कप का आयोजन किया था।

54 में से 41 मैच साउथ अफ्रीका में हो सकते हैं

वर्ल्ड कप के कुल 54 मुकाबलों में से कम से कम 41 मैच साउथ अफ्रीका में खेले जाने की संभावना है। जिम्बाब्वे को 7 से 10 मुकाबलों की मेजबानी मिलेगी, जबकि नामीबिया में कम से कम तीन मैच होंगे।

बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम को वॉर्म-अप वेन्यू बनाया गया है। ये दोनों शहर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर की मेजबानी भी नामीबिया के साथ मिलकर कर सकते हैं।

विक्टोरिया फॉल्स पहली बार बनेगा वर्ल्ड कप वेन्यू

12 शहरों में विक्टोरिया फॉल्स नया वेन्यू है। यहां 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाया जा रहा है, जिसके इस साल के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है।

रहाणे का इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास: 2020 में टेस्ट में कप्तानी की

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 खेल चुके रहाणे ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी कर इस फैसले की जानकारी दी। वे पिछले 3 साल से किसी भी फॉर्मेट में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे।

वीडियो में 38 साल के रहाणे ने भावुक होते हुए कहा कि अब उनके लिए आगे बढ़ने का यही सही समय है। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पोस्ट कर रहाणे को उनके करियर के लिए बधाई दी है।

कोहली बोले- आप मेरे फेवरेट टेस्ट बैटिंग पार्टनर

विराट कोहली ने रहाणे के संन्यास पर लिखा- जिंक्स, शानदार करियर के लिए बधाई दोस्त। भारतीय क्रिकेट के लिए आपने बेहतरीन योगदान दिया है। कोहली ने आगे लिखा- स्लिप में सबसे भरोसेमंद हाथ और टेस्ट क्रिकेट में मेरे फेवरेट बैटिंग पार्टनर रहे।

भारतीय हॉकी टीम की नारंगी जर्सी पर विवाद: पूर्व कप्तान बोले- नीला रंग टीम की पहचान

हॉकी वर्ल्ड कप 2026 से पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से बदलकर नारंगी कर दिया गया है। पूर्व कप्तान विरेन रास्किन्हा ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नीली जर्सी हमारी पहचान थी। एक और पूर्व कप्तान पटगट सिंह ने भी जर्सी का रंग बदलने पर नाराजगी जताई है।

इधर, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा है जर्सी का रंग खिलाड़ियों की पसंद पर बदला गया है। हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को पुरुष और महिला टीमों की नई जर्सी लॉन्च की थी।

भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान विरेन रासकिन्हा ने इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि टीम को भगवा रंग पहनाया जाना शर्मनाक है।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप कुमार टिर्की ने कहा कि यह फैसला खिलाड़ियों, कप्तानों, कोच और सपोर्ट स्टाफ के सुझाव पर लिया गया। उन्होंने कहा कि अगर वर्ल्ड कप के बाद खिलाड़ियों को यह जर्सी पसंद नहीं आती है तो भविष्य में इसे बदला भी जा सकता है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से नारंगी किए जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की पहचान अहिंसा, सत्य और भाईचारे जैसे मूल्यों से जुड़ी है और इन्हें बदला नहीं जा सकता।

5 संभाग से कुल 240 खिलाड़ी और 35 से अधिक कोच मैनेजर हुए शामिल

जशपुर में 26 वां राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 26 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक जशपुर जिले के स्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में किया गया है। उक्त कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम में विधायक पत्थलगांव विधायक गोमती साय नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, और अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।हॉकी प्रतियोगिता में 05 संभागीय मुख्यालय के 160 बालक एवं 80 बालिकाओं सहित कुल 240 खिलाड़ी एवं 35 से अधिक कोच एवं मैनेजर शामिल रहे।पत्थलगांव विधायक गोमती साय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान आने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज हम सब के लिए खुशी की बात है कि राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता कराने का अवसर मिला है। आगे भी ऐसे प्रतियोगिता जशपुर जिले में आयोजित करते रहेंगे जिससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में बालक 15 वर्ष बस्तर संभाग तृतीय स्थान सरगुजा संभाग उप विजेता दुर्ग संभाग विजेता बालक 17 वर्ष बस्तर तृतीय स्थान सरगुजा संभाग उप विजेता दुर्ग संभाग विजेता बालिका 17 वर्ष सरगुजा संभाग तृतीय स्थान बस्तर संभाग उप विजेता दुर्ग संभाग विजेता तथा दुर्ग संभाग ऑल ओवर चौम्पियन रहा।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र कुमार सिन्हा विष्णु सोनी मुकेश सज्जू खान अधिवक्ता सत्य प्रकाश तिवारी कोच और खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कोरबा का मानव-हाथी प्रबंधन मॉडल: तकनीक, जनभागीदारी व संवेदनशील प्रशासन से बन रही मिसाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ का कोरबा जिला आज मानव-हाथी द्वंद प्रबंधन के क्षेत्र में देश के लिए एक प्रेरणादायी मॉडल के रूप में उभर रहा है। जहां एक ओर हाथियों के प्राकृतिक आवास और विचरण मार्गों के संरक्षण पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आमजन की सुरक्षा, त्वरित राहत और आधुनिक तकनीक के माध्यम से मानव-हाथी संघर्ष को कम करने की दिशा में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन और कटघोरा वनमंडल के डीएफओ श्री कुमार निशांत के नेतृत्व में जिला प्रशासन और वन विभाग ने समन्वित प्रयासों का ऐसा मॉडल विकसित किया है, जिसकी सराहना प्रदेश ही नहीं, बल्कि अन्य हाथी प्रभावित क्षेत्रों के लिए भी एक अनुकरणीय पहल के रूप में की जा सकती है।

कोरबा जिले का लेमरू हाथी रिजर्व लगभग 1 लाख 99 हजार 548 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें कटघोरा, कोरबा, धरमजयगढ़ और सरगुजा वनमंडलों के 11 वन परिक्षेत्र शामिल हैं। इस विशाल क्षेत्र में हाथियों के प्राकृतिक आवास, पारंपरिक विचरण मार्गों तथा संवेदनशील क्षेत्रों की वैज्ञानिक पहचान कर उनके संरक्षण के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), जीआईएस आधारित योजना, डिजिटल मैपिंग और वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से हाथियों के कॉरिडोर की निगरानी की जा रही है, ताकि हाथियों का प्राकृतिक आवागमन सुरक्षित बना रहे और उनका रिहायशी क्षेत्रों की ओर रुख कम हो।

कोरबा मॉडल की सबसे बड़ी विशेषता आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग है। डीएफओ श्री कुमार निशांत के नेतृत्व में कटघोरा वनमंडल में 24म7 हाथी नियंत्रण केंद्र, टोल-फ्री हेल्पलाइन, थर्मल ड्रोन, गजसंकेत मोबाइल ऐप, सीसीटीवी निगरानी तथा प्रशिक्षित हाथी मित्र दलों के माध्यम से हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। हाथियों की वास्तविक समय की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जाती है, जिससे लोग समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंच सकें और संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब आंकड़ों में भी स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। सितंबर 2023 से जून 2026 तक गजसंकेत ऐप पर 1,097 हाथी मूवमेंट एंट्री दर्ज की गई हैं, जबकि इसी अवधि में 2,68,782 से अधिक अलर्ट हाथी प्रभावित गांवों के लोगों तक भेजे गए। यह दर्शाता है कि जिले में सूचना तंत्र पहले की तुलना में कहीं अधिक सशक्त और प्रभावी हुआ है।

मानव-हाथी संघर्ष से जुड़े आंकड़े भी सकारात्मक बदलाव की कहानी बयां करते हैं। प्रस्तुतीकरण के अनुसार वर्ष 2020-21 में जहां 9 जनहानि के मामले सामने आए थे, वहीं 2025-26 में यह संख्या घटकर केवल 3 रह गई है। इसी प्रकार वर्ष 2024-25 और 2025-26 में मानव घायल होने के मामले शून्य दर्ज किए गए हैं। यह उपलब्धि समय पर अलर्ट, सतत निगरानी, हाथी मित्र दलों की सक्रियता तथा प्रशासन और वन विभाग के बेहतर समन्वय का परिणाम है।

संपत्ति और फसल क्षति के मामलों में भी सुधार का रुझान देखने को मिला है। वर्ष 2020-21 में 513 मकानों को क्षति पहुंची थी, जबकि 2025-26 में यह संख्या घटकर 33 रह गई। फसल और संपत्ति नुकसान के ग्राफ भी लगातार सुधार की ओर संकेत करते हैं, जो यह दर्शाते हैं कि हाथियों की गतिविधियों की समय पर जानकारी मिलने और प्रभावी प्रबंधन के कारण नुकसान को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सका है।

कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में मानव-हाथी द्वंद को केवल नियंत्रण तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे दीर्घकालिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। ग्रामीणों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, हाथी मित्र दलों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई गई है तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निरंतर निगरानी रखी जा रही है। लोगों को हाथियों के व्यवहार, सुरक्षा उपायों और आपात स्थिति में अपनाए जाने वाले कदमों की जानकारी भी नियमित रूप से दी जा रही है।

विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन से बदली किसान अरुण की जिंदगी

रायपुर। राज्य सरकार की ग्रामीण आजीविका और सिंचाई सशक्तिकरण की पहल किसानों के जीवन में ठोस बदलाव ला रही है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पतरापारा निवासी किसान श्री अरुण इसकी प्रेरक मिसाल बनकर सामने आए हैं। विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन के तहत निजी भूमि पर स्वीकृत कूप निर्माण ने उनकी खेती को वर्षा आधारित व्यवस्था से निकालकर सालभर उत्पादन करने वाली खेती में बदल दिया है।

कुछ वर्ष पहले तक श्री अरुण की खेती पूरी तरह बारिश पर निर्भर थी। समय पर वर्षा होने पर धान की फसल ठीक होती थी, लेकिन बारिश कम होने पर खेत सूख जाते थे और मेहनत का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। सिंचाई का कोई स्थायी साधन न होने के कारण वे वर्ष में केवल एक ही फसल ले पाते थे और रबी खेती लगभग असंभव थी।

वर्ष 2025-26 में मिशन के अंतर्गत उनके खेत में कूप निर्माण स्वीकृत हुआ। कूप तैयार होने के बाद खेत तक स्थायी सिंचाई सुविधा पहुंची और खेती का स्वरूप पूरी तरह बदल गया।

महिलाओं की सामूहिक ताकत से महका एमसीबी का जीराफूल धान

रायपुर। आत्मनिर्भर भारत के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की महिलाओं ने एक नई मिसाल कायम की है। सिद्धबाबा महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने सामूहिक प्रयास, वैज्ञानिक खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों के दम पर सुगंधित जीराफूल धान की ऐसी सफलता की कहानी लिखी है, जो अब पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा बन रही है। महिलाओं की इस पहल ने न केवल खेती को लाभकारी बनाया है, बल्कि स्थानीय कृषि उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में भी मजबूत कदम बढ़ाया है।

महिला शेयरधारकों को संगठित कर गठित इस एफपीओ ने जीराफूल धान की खेती की शुरुआत उच्च गुणवत्ता वाले बीजों और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार नर्सरी के साथ की। कृषि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में किए गए बीज उपचार और आधुनिक तकनीकों के प्रयोग का परिणाम यह रहा कि 100 प्रतिशत अंकुरण प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि ने महिला किसानों का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ा दिया। सफल अंकुरण के बाद महिलाओं ने सामूहिक रूप से 10 एकड़ क्षेत्र में जीराफूल धान की खेती का विस्तार किया। समय पर रोपाई, संतुलित पोषण प्रबंधन, नियमित सिंचाई और सतत निगरानी के कारण खेतों में फसल शानदार स्थिति में है।

उमंग एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आत्मानंद स्कूल, सरोना में एकदिवसीय निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर आयोजित

रायपुर। उमंग एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, सरोना में एकदिवसीय निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 150 विद्यार्थियों के दांतों का परीक्षण किया गया तथा उन्हें दांतों की नियमित देखभाल, स्वच्छता एवं मौखिक स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

शिविर में डॉ. वृंदा सिंह एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों का दंत परीक्षण कर उन्हें उचित परामर्श दिया। उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवा कार्य की सभी ने प्रशंसा की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के प्रदेश सह संयोजक एवं रायपुर संभाग प्रभारी संदीप अग्रवाल तथा जिला सह संयोजक श्री आशीष कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर उमंग एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की संस्थापक वंदना सिंह ने कहा कि संस्था भविष्य में रायपुर के विभिन्न विद्यालयों में निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर एवं कैरियर काउंसलिंग कक्षाओं का आयोजन करेगी, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके भविष्य के मार्गदर्शन में भी सहायता मिल सके।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में शासकीय आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, सरोना के प्राचार्य श्री रविशंकर सोनी का विशेष सहयोग रहा, जिसके लिए उमंग एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ने उनका आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं सहयोगियों का सम्मान किया गया तथा समाजहित में ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

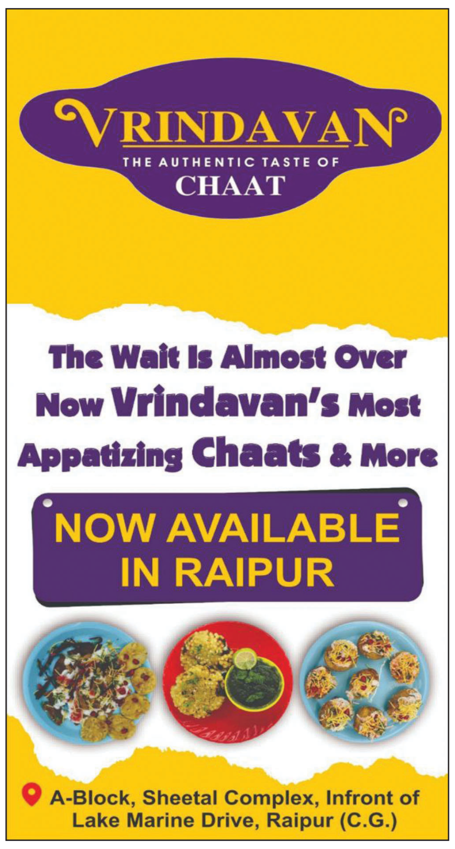

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684